सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) पद्धति पर आधारित

हिंदी पाठ्यपुस्तक

साथी

हिंदी पाठमाला

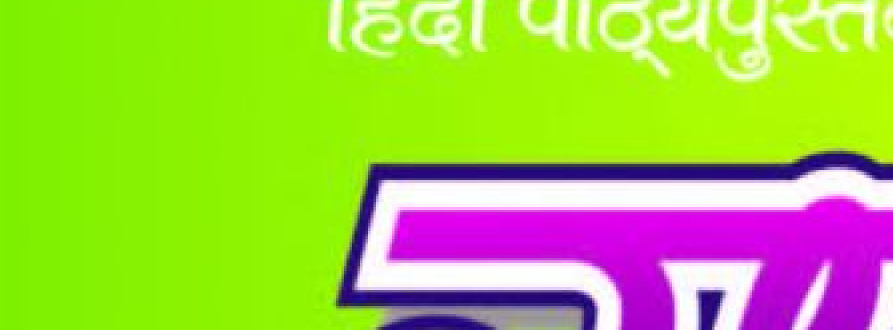

2

AMANDA IMPRINT
(An Imprint of Laxmi Publications Pvt. Ltd.)

हिंदी पाठ्यपुस्तक

साक्षी

हिंदी पाठमाला 2

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) पर आधारित

आल्या एवं पूर्णिमा शर्मा

AMANDA
IMPRINT
(An Imprint of Laxmi Publications Pvt. Ltd.)
An ISO 9001:2008 Company

कोचीन • कोलकाता • गुवाहाटी • चेन्नई • जालंधर
बेंगलुरु • मुंबई • राँची • लखनऊ • हैदराबाद • नई दिल्ली
बोस्टन (यू.एस.ए.) • आकरा (घाना) • नैरोबी (केन्या)

साक्षी हिंदी पाठमाला-2

© द्वारा लक्ष्मी पब्लिकेशंज (प्रा०) लिमिटेड
अन्य भाषाओं में अनुवाद सहित सर्वाधिकार सुरक्षित हैं। प्रतिलिप्याधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2012 के अनुसार, इस प्रकाशन का कोई भी अंश किसी भी रूप या माध्यम; जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिकी, फोटोकॉपी, रिकार्डिंग या अन्य के द्वारा पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत या हस्तांतरित नहीं किया जा सकता है। प्रकाशक की अनुमति के बिना उपरोक्त कोई भी कार्य अथवा स्केनिंग, कंप्यूटर में संग्रहण या इस पुस्तक के किसी अंश की इलेक्ट्रॉनिक साझेदारी आदि सांविधानिक अथवा कानूनी तौर पर प्रतिलिप्याधिकार धारक की बौद्धिक संपत्ति की चोरी मानी जाएगी। इस पुस्तक की सामग्री (पुनरावलोकन के उद्देश्यों के अतिरिक्त) उपयोग करने हेतु प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति आवश्यक है।

भारत में मुद्रित और जिल्दबंद
टाइपसैट : एम.टू.डब्ल्यू. मीडिया, दिल्ली
नवीनतम संस्करण
ISBN 978-93-80644-96-7

दायित्व की सीमाएँ/आश्वासन का अस्वीकरण : इस कार्य की सामग्री की परिशुद्धता या पूर्णता के संदर्भ में प्रकाशक और लेखक निरूपण या आश्वासन नहीं देते हैं और विशेषतया सभी आश्वासनों को अस्वीकार करते हैं। इसमें अंतर्विष्ट परामर्श, कौशल और क्रियाकलाप प्रत्येक स्थिति में अनुकूल नहीं हो सकते। निष्पादित क्रियाकलापों के दौरान बड़ों का निरीक्षण आवश्यक है। इसी प्रकार, इस पुस्तक या अन्य प्रकार से वर्णित, किसी और सभी क्रियाकलापों को संपादित करने हेतु सामान्य बुद्धिमत्ता और सावधानी आवश्यक है। इससे होने वाली किसी भी प्रकार की क्षति या नुकसान के लिए प्रकाशक या लेखक उत्तरदायी नहीं होंगे और न ही कोई जिम्मेदारी लेंगे। तथ्य यह है कि इस पुस्तक में उद्धरण या अतिरिक्त सूचना के संभावित स्रोत के रूप में उल्लेखित संस्था या वेबसाइट का अर्थ यह नहीं है कि लेखक या प्रकाशक सूचना, संस्था या वेबसाइट का समर्थन या अनुशंसा करते हैं। साथ ही पाठकों को यह अवश्य ज्ञात रहे कि पुस्तक में उद्धरित इंटरनेट वेबसाइट्स, पुस्तक को लिखने और पढ़ने के समयांतराल में बदली अथवा लुप्त की जा सकती हैं।
इस पुस्तक में दर्शाए गए सभी मार्का, प्रतीक या अन्य कोई चिह्न; जैसे कि विबग्योर, यूएसपी, अमान्डा, गोल्डन बेल्स, फायरवॉल मीडिया, मरक्यूरी, ट्रिनिटी और लक्ष्मी सभी व्यापारिक चिह्न हैं और लक्ष्मी पब्लिकेशंज तथा इसके सहायक अथवा संबद्ध संस्थाओं की अपनी या अनुज्ञप्त बौद्धिक संपत्ति हैं। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि इस पुस्तक में वर्णित सभी नाम और चिह्न उनके निजी मालिकों के व्यापारिक नाम, मार्का या सेवा-चिह्न हैं।

भारत में प्रकाशित, द्वारा–

AMANDA
IMPRINT
(An Imprint of Laxmi Publications Pvt. Ltd.)
An ISO 9001:2008 Company

113, गोल्डन हाउस, दरियागंज,
नई दिल्ली–110002, इंडिया
फोन : 91-11-4353 2500, 4353 2501
फैक्स : 91-11-2325 2572, 4353 2528
www.laxmipublications.com   info@laxmipublications.com

शाखाएँ

✆	कोचीन	0484-237 70 04,	405 13 03
✆	कोलकाता	033-22 27 43 84	
✆	गुवाहाटी	0361-254 36 69,	251 38 81
✆	चेन्नई	044-24 34 47 26,	24 35 95 07
✆	जालंधर	0181-222 12 72	
✆	बेंगलुरु	080-26 75 69 30	
✆	मुंबई	022-24 91 54 15,	24 92 78 69
✆	राँची	0651-220 44 64	
✆	लखनऊ	0522-220 99 16	
✆	हैदराबाद	040-27 55 53 83,	27 55 53 93

C—
मुद्रक :

प्रस्तावना

साक्षी हिंदी पाठमाला की श्रृंखला का निर्माण राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत एनसीईआरटी, सीबीएसई तथा राज्यों के बोर्डों द्वारा निर्धारित सतत एवं व्यापक मूल्यांकन सीसीई *(Continuous and Comprehensive Evaluation)* पद्धति के अनुसार किया गया है।

बच्चों में देखकर सीखने की प्रवृत्ति जन्म से ही होती है। किसी भी वस्तु को देखकर उसके बारे में जानने की इच्छा उनके मन में स्वत: ही उठ जाती है। बच्चों की इसी प्रवृत्ति को ध्यान में रखते हुए उनसे जुड़े खान-पान, रहन-सहन, आचार-विचार व रुचि आदि पर साक्षी हिंदी पाठमाला के पाठ तैयार किए गए हैं। रोचक पाठ बच्चों की जिज्ञासा एवं भाषा में रुचि बढ़ाने में सहायक सिद्ध होंगे।

इस पाठमाला को तैयार करते समय भाषा की सभी योग्यताओं– सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना, सोचना, समझना व समझकर करना आदि को सिखाने का प्रयास किया गया है।

यह पुस्तक श्रृंखला अभ्यास पुस्तिका सहित तैयार की गई है। पाठ के अंत में शब्दार्थ, मौखिक व लिखित प्रश्न, पाठ से संबंधित काल्पनिक प्रश्न, भाषा ज्ञान संबंधी प्रश्न, बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs), गतिविधियाँ तथा परियोजना निर्माण कार्य सम्मिलित किए गए हैं।

साक्षी हिंदी पाठमाला में साहित्य की सभी विधाओं– कविता, कहानी, चित्रकथा, लोककथा, डायरी लेखन, संस्मरण, जीवनी, लेख, निबंध, एकांकी, यात्रा वृत्तांत आदि का समावेश है। हिंदी निदेशालय भारत सरकार द्वारा संस्तुत वर्तनी के पारंपरिक व मानक दोनों रूपों से बच्चों को अवगत कराया गया है। इस पुस्तक श्रृंखला का उद्देश्य बच्चों की सृजनशीलता, मौलिकता, कल्पनाशीलता, जिज्ञासा एवं चारित्रिक विकास पर बल देना है। आशा है कि यह पुस्तक विद्यार्थियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

पुस्तक को और अधिक रोचक, स्तरीय एवं प्रामाणिक बनाने हेतु विद्वानों के सुझाव सादर आमंत्रित हैं।

–लेखिकाएँ

विषय-सूची

1. जोकर (कविता) 1
2. पड़ोसी का कर्त्तव्य (नैतिक कहानी) 7
3. सीता (पौराणिक कथा) 14
4. नाना जी की सीख (कहानी) 20
5. हिना का सपना (डायरी लेखन) 26
6. आलू जी का ब्याह (कविता) 33
7. हरा घोड़ा (हास्य कथा केवल पढ़ने के लिए) 40
8. मसूरी की यात्रा (पत्र-लेखन) 42
9. शास्त्री जी (प्रेरक प्रसंग) 48
10. आइसक्रीम (एकांकी) 54
11. घमंडी हवा (चित्रकथा केवल पढ़ने के लिए) 62
12. कौन (कविता) 64
13. रक्षाबंधन (निबंध) 70
14. आर्यन की समझदारी (आधुनिक कहानी) 76
15. शेर भाग गया (लोककथा) 81
16. ताजमहल (निबंध) 88

- प्रश्न-पत्र–1 93
- प्रश्न-पत्र–2 95

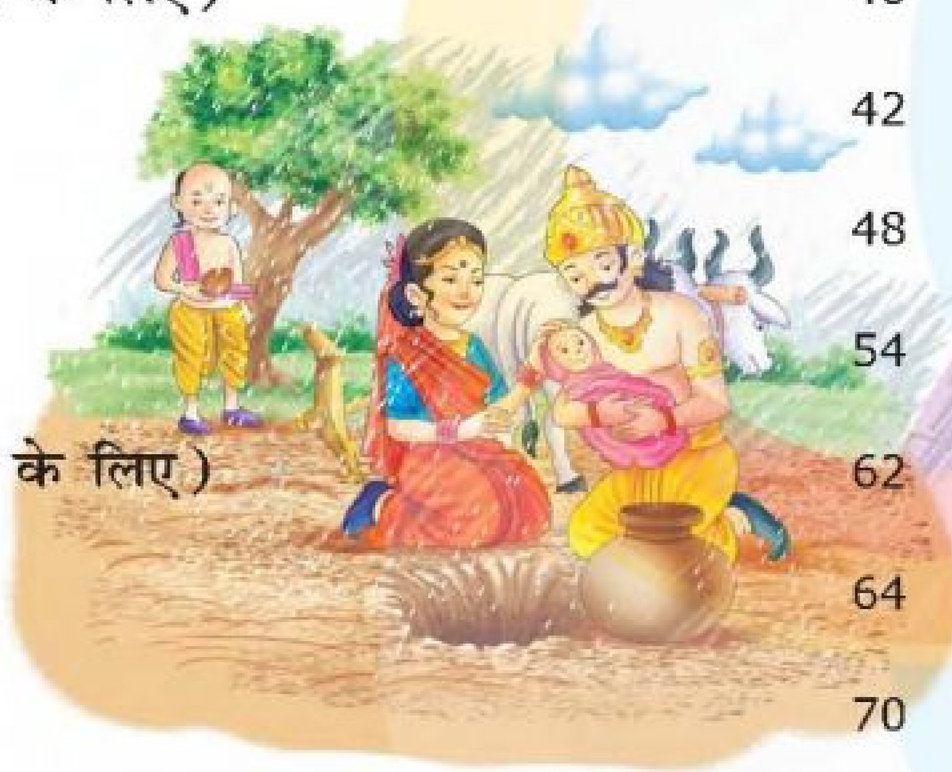

पाठ संबंधी गतिविधियाँ

पाठ संख्या व नाम	बोलना, सुनना और पढ़ना	लिखना	शैक्षिक गतिविधियाँ	जीवन मूल्य तथा पारिवारिक, सामाजिक व राष्ट्रीय चेतना
1. जोकर (कविता)	कविता को लय में पढ़ना, सही उच्चारण तथा मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, कविता की पंक्तियाँ पूरी करना, विलोम शब्द तथा वाक्य पूरे करना, बहुवचन लिखना।	पशु पक्षियों की चाल की जानकारी, चित्र पूरा करके रंग भरना, नैतिक प्रश्न।	सदा मुसकराते रहना, प्रसन्न रहना और दूसरों को भी प्रसन्न रखना।
2. पड़ोसी का कर्त्तव्य (नैतिक कहानी)	कहानी का प्रभावशाली ढंग से वाचन, सही उच्चारण तथा मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, वाक्य पूरे करना, घटनाक्रम में लिखना, बहुविकल्पीय प्रश्न, किसने कहा, समानार्थी शब्द तथा संयुक्ताक्षर लिखना।	पशु पक्षियों के खान पान का ज्ञान, काल्पनिक प्रश्न, नाट्य मंचन एवं नैतिक प्रश्न।	अच्छे पड़ोसी के गुणों की जानकारी, परस्पर मेल मिलाप व सहयोग की भावना को जागृत करना, विपरीत परिस्थितियों में समझ से काम लेना।
3. सीता (पौराणिक कथा)	पौराणिक कथा का प्रभावशाली ढंग से वाचन, सही उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, घटनाक्रम में लिखना, बहुविकल्पीय प्रश्न, संज्ञा शब्दों की पहचान करना, वर्णों का मिलान, शब्द ज्ञान, शुद्ध अशुद्ध।	काल्पनिक प्रश्न, कथाओं को पढ़ना व सुनना, नाट्य मंचन, चित्र देखकर वाक्य रचना एवं नैतिक प्रश्न।	जीवन में पौराणिक ग्रंथों का महत्त्व बताना, रामायण के प्रमुख पात्रों की जानकारी एवं रामलीला मंचन के प्रति बच्चों को उत्साहित करना।
4. नाना जी की सीख (कहानी)	कहानी का प्रभावशाली ढंग से वाचन, सही उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, सही गलत, वाक्य पूरे करना, बहुविकल्पीय प्रश्न, विलोम शब्द, चंद्रबिंदु का ज्ञान, समानार्थी शब्द, सर्वनाम।	काल्पनिक व नैतिक प्रश्न, अच्छी व बुरी आदतों की जानकारी, अवलोकन की क्षमता का विकास।	अच्छी आदतों को अपनाने के लिए प्रेरित करना।
5. हिना का सपना (डायरी लेखन)	काल्पनिक डायरी का प्रभावशाली ढंग से वाचन, सही उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, वाक्य पूरे करना, बहुविकल्पीय प्रश्न, विलोम शब्द, विशेषण, का, की, को का प्रयोग।	काल्पनिक एवं नैतिक प्रश्न चित्र वर्णन करना, जीव जंतुओं की परिस्थितिजन्य जीवन की जानकारी।	डायरी लेखन के प्रति बच्चों की रुचि बढ़ाना, बच्चों की कल्पनात्मक रुचि को सुदृढ़ करना, मित्रों के प्रति स्नेह एवं मित्रता का भाव उत्पन्न करना।
6. आलू जी का ब्याह (कविता)	चित्रात्मक कविता का वाचन, सही उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, पंक्तियाँ पूरी करना, वाक्य बनाना, लय ताल मिलाना, समानार्थी शब्द, सामूहिक वस्तुओं का ज्ञान।	फलों व सब्जियों का ज्ञान, चित्र बनाकर रंग भरना एवं नैतिक प्रश्न।	स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना, खान पान का महत्त्व समझाना।
7. हरा घोड़ा (हास्य कथा)	हास्य कथा का प्रभावशाली ढंग से वाचन			बुद्धिमत्ता का महत्त्व समझाना।
8. मसूरी की यात्रा (पत्र लेखन)	पत्र को प्रभावशाली ढंग से पढ़ना, सही उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, सही गलत, बहुविकल्पीय प्रश्न, चंद्रबिंदु, संयुक्त व्यंजन, नए शब्द बनाना।	चित्र वर्णन करना, पत्र लेखन, यात्रा वृत्तांत लिखना एवं नैतिक प्रश्न।	भारत की विविधता एवं संपन्नता की जानकारी तथा पर्यटन स्थलों का ज्ञान प्रदान करना।

पाठ संख्या व नाम	बोलना, सुनना और पढ़ना	लिखना	शैक्षिक गतिविधियाँ	जीवन मूल्य तथा पारिवारिक, सामाजिक व राष्ट्रीय चेतना
9. शास्त्री जी (प्रेरक प्रसंग)	प्रेरक प्रसंग का प्रभावशाली ढंग से वाचन, सही उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, बहुविकल्पीय प्रश्न, लिंग ज्ञान, क्रिया, शुद्ध अशुद्ध तथा नए शब्द बनाना।	काल्पनिक प्रश्न, स्वतंत्रता सेनानियों का ज्ञान, आजादी से जुड़ी घटनाओं की जानकारी, नैतिक प्रश्न।	देशभक्ति की भावना जागृत करना, स्वतंत्रता का महत्त्व समझाना, स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति श्रद्धा का भाव जागृत करना।
10. आइसक्रीम (एकांकी)	एकांकी को रोचक ढंग से पढ़ना, सही उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, बहुविकल्पीय प्रश्न, किसने कहा, विलोम शब्द, पर्यायवाची शब्द, सर्वनाम।	काल्पनिक प्रश्न, स्वाद का ज्ञान, चित्र देखकर वाक्य बनाना, नाट्य मंचन एवं नैतिक प्रश्न।	बच्चों को यह समझाना कि अति हर चीज़ की बुरी होती है। और उनके खान पान संबंधी आदतों को सुधारना।
11. घमंडी हवा (चित्रकथा)	चित्रकथा का प्रभावशाली ढंग से वाचन			घमंड न करने की सीख देना।
12. कौन (कविता)	कविता का प्रभावशाली ढंग से वाचन, सही उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, पंक्तियाँ पूरी करना, समानार्थी शब्द, वाक्य बनाना, वचन, क्रिया।	काल्पनिक प्रश्न, सही गलत की पहचान, चित्र देखकर वाक्य पूरे करना, नैतिक प्रश्न।	प्रकृति के प्रति प्रेम भाव जागृत करना।
13. रक्षाबंधन (निबंध)	निबंध का प्रभावशाली ढंग से वाचन, सही उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, बहुविकल्पीय प्रश्न, समानार्थी शब्द, विशेषण, वचन।	काल्पनिक प्रश्न, राखी बनाना, अंतर समझना, मिठाइयों का ज्ञान, नैतिक प्रश्न,	त्योहारों का महत्त्व समझाना, भाई बहन के पवित्र प्रेम को दर्शाना।
14. आर्यन की समझदारी (आधुनिक कहानी)	कहानी का प्रभावशाली ढंग से वाचन, सही उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, बहुविकल्पीय प्रश्न, संयुक्ताक्षर, ड़, ढ़ का प्रयोग, विभिन्न आवाज़ों का ज्ञान।	काल्पनिक प्रश्न, कंप्यूटर के भागों की जानकारी।	विपरीत परिस्थितियों में बुद्धि का प्रयोग करना सिखाना, इंटरनेट के लाभ बताना।
15. शेर भाग गया (लोक कथा)	लोककथा का प्रभावशाली ढंग से वाचन, सही उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, सही गलत, किसने किससे कहा, बहुविकल्पीय प्रश्न, सर्वनाम, समानार्थी शब्द, वाक्यांशों के लिए एक शब्द।	काल्पनिक व नैतिक प्रश्न, सहायकों की पहचान, कहानी सुनाना।	आपसी सहयोग की भावना जागृत करना, छोटे बड़े सभी का महत्त्व समझाना।
16. ताजमहल (निबंध)	निबंध को प्रभावशाली ढंग से पढ़ना, सही उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तर देना।	प्रश्नों के उत्तर लिखना, सही गलत, वाक्य पूरे करना, बहुविकल्पीय प्रश्न, ृ का प्रयोग, शुद्ध अशुद्ध।	चित्र वर्णन।	भारत की अनूठी विशेषताओं की जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम

पहली और दूसरी कक्षा के लिए हिंदी पाठ्यक्रम

- विद्यार्थियों में निर्देशों को सुनकर समझने तथा उनका पालन करने की योग्यता का विकास करना।
- विद्यार्थियों में विभिन्न ध्वनियों को सुनकर पहचानने और उसमें अंतर कर सकने की योग्यता का विकास करना।
- विद्यार्थियों की झिझक दूर करके उन्हें अध्यापकों एवं साथियों से सहज ढंग से बात करने में समर्थ बनाना।
- कविता कहानी का समूहगान व वाचन आदि के द्वारा मौखिक अभिव्यक्ति का विकास करना।
- विद्यार्थियों को स्वाभाविक रूप से बोलने के सामान्य शिष्टाचार के नियम सिखाना।
- विद्यार्थियों को देवनागरी के सभी लिपि चिह्नों, स्वर, व्यंजनों, संयुक्ताक्षरों तथा मात्राओं का ज्ञान कराना।
- पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त अन्य सरल पठन सामग्री को पढ़ने में रुचि जागृत करना।
- विभिन्न गतिविधियों द्वारा स्व अधिगम की प्रवृत्ति को प्रोत्साहन देना।
- अपने देश के प्रति गौरव की भावना का विकास करना।
- सभी धर्मों के प्रति आदर और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना का विकास करना और सर्वधर्म समभाव का विकास करना।
- राष्ट्रीय प्रतीकों राष्ट्रध्वज, राष्ट्रगान आदि के प्रति सम्मान की भावना जागृत करना।
- विद्यार्थियों के शब्द भंडार में वृद्धि करना।

पहली और दूसरी कक्षा के विद्यार्थियों से मातृ भाषा संबंधी अपेक्षित योग्यताएँ–

- विद्यार्थियों द्वारा आदेश, निर्देश, अनुरोध आदि को ध्यानपूर्वक सुनकर उनका पालन करना।
- बालगीत, कविताएँ, कहानियाँ, पहेलियाँ, चुटकुले, वर्णन, संवाद आदि को आनंदपूर्वक सुनकर उनके भाव समझना।
- हिंदी की सभी ध्वनियों को सुनकर उनमें विभेद करना। जैसे इ ई, उ ऊ आदि।

बोलने संबंधी अपेक्षित योग्यताएँ–

- सरल वाक्यों को सही सही दोहराना।
- बिना अटके धारा प्रवाह के साथ बोलना।
- आत्मविश्वास के साथ अपनी बात को कहना।
- कविता, कहानियों को हाव भाव, आरोह अवरोह के साथ बोलना।
- हिंदी की ध्वनियों का शुद्ध उच्चारण तथा हिंदी के मानक रूप का प्रयोग करना।
- कक्षा में क्या, कौन, कब, कहाँ जैसे प्रश्नों के उत्तर देने में समर्थ होना।
- अभिनय में भाग लेना तथा संवादों को बोलते समय प्रश्न, आश्चर्य, क्रोध आदि के भावों को व्यक्त करना।

पढ़ने संबंधी अपेक्षित योग्यताएँ–

- देवनागरी लिपि चिह्नों को पहचानकर पढ़ना।
- शब्दों और वाक्यों का शुद्ध रूप से वाचन करना।
- शब्दों और वाक्यों को धारा प्रवाह में पढ़ना।
- सरल शब्दों और वाक्यों का अर्थग्रहण सहित वाचन करना।
- सरल कहानियों, कविताओं आदि को अर्थग्रहण सहित पढ़ना।
- बाल साहित्य पढ़ने में निपुण होना।

लिखने संबंधी अपेक्षित योग्यताएँ–

- स्वरों, व्यंजनों, मात्राओं और संयुक्त व्यंजनों को लिखने में समर्थ होना।
- शब्दों और अक्षरों में उचित दूरी रखते हुए सुलेख लिखना।
- सरल शब्दों और वाक्यों का अनुलेख और श्रुतलेख लिखने में समर्थ होना।
- परिचित विषय पर चार पाँच वाक्य लिखने में समर्थ होना।
- व्याकरण सम्मत भाषा का प्रयोग करने में समर्थ होना।

चिंतन संबंधी योग्यताएँ–

पहली और दूसरी कक्षा के विद्यार्थियों में असीम जिज्ञासा होती है जिसकी तृप्ति अधिकतर मौखिक ज्ञान से होती है। विद्यार्थियों के प्रारंभिक चिंतन का विकास भाषा की अन्य योग्यताओं के साथ साथ होता रहता है। इसके अंतर्गत पढ़ी हुई विषय वस्तु के क्रम को समझना, निर्देशानुसार कार्य करना, प्रासंगिक बात को याद रखना, तुलना करना, अनुमान लगाना, परिणाम निकालना, प्रतिक्रिया व्यक्त करना आदि योग्यताएँ विद्यार्थियों में विकसित होना आवश्यक है।

पहली और दूसरी कक्षा के लिए शैक्षिक क्रियाकलाप

- सरल आदेश, निर्देश देकर बच्चों से उनका पालन करवाना।
- चित्र दिखाकर उसका मौखिक वर्णन करवाना।
- चित्र दिखाकर कहानी का निर्माण करवाना।
- सामूहिक एवं व्यक्तिगत रूप से गीत, कविता आदि का गायन करवाना।
- विद्यार्थियों के साथ परिवार/परिवेश आदि पर आधारित बातचीत करना।
- विभिन्न परिस्थितियाँ देकर उनमें भूमिका निर्वाह एवं अभिनय के साथ संवाद बोलने हेतु प्रोत्साहित करना।
- विभिन्न वर्णों को मिलाकर अनेक सरल और परिचित शब्दों एवं वाक्यों का निर्माण करवाना।
- कहानी, कविता एवं अनुच्छेद का प्रवाहपूर्ण ढंग से वाचन करवाना।
- पाठ पढ़ाते समय सभी विद्यार्थियों को पढ़ने का समान अवसर देना।
- पाठ पर आधारित सरल बोधात्मक प्रश्न पूछना तथा विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करना।
- वर्णों की सुडौल बनावट पर ध्यान देना तथा वर्णों की आकृतियों को बनाना सिखाते समय मिलती जुलती आकृतियों के अंतर को समझाकर लिखना सिखाना।
- शुद्‌ध वर्तनी की ओर विशेष रूप से ध्यान देना तथा उच्चारण की क्रियाओं द्‌वारा स्पष्ट उच्चारण करवाना।
- किसी सरल व परिचित प्रसंग पर मौखिक चर्चा करके वाक्यों का लेखन करवाना।
- सरल और परिचित शब्दों और वाक्यों का श्रुतलेख लिखवाना।
- कहानी, कविता, प्रसंग आदि के माध्यम से अनुमान लगाना, परिणाम निकालना जैसे चिंतन की योग्यताओं से बच्चों को अवगत करवाना।

पाठ्‌य सामग्री एवं विषय वस्तु

कक्षा 1 और 2 के लिए पाठ्‌यपुस्तक अभ्यास पुस्तिका सहित दी गई है। पाठ्‌यपुस्तक लगभग 100 पृष्ठों की है तथा इसमें आवश्यकतानुसार शिक्षण संकेत दिए गए हैं। विषय वस्तु, जीवन मूल्यों, रचनात्मक योग्यताओं एवं शैक्षिक क्रियाकलापों पर आधारित इस पुस्तक का विकास निम्न बिंदुओं को ध्यान में रखकर किया गया है

- पशु पक्षी, आस पड़ोस, पाठशाला, खेलकूद, मेले, त्योहार, परिवार के सदस्य, व्यावसायिक लोग, हमारे सहायक, नगर देहात का परिवेश, राष्ट्रीय ध्वज, महापुरुषों के जीवन संबंधी प्रेरक प्रसंग, जीवन मूल्यों पर आधारित कहानियाँ, कविताएँ तथा परिचित वातावरण में दिन प्रतिदिन घटने वाली घटनाएँ आदि।

मूल्यांकन

- पहली और दूसरी कक्षा में विद्यार्थियों का मूल्यांकन कक्षा में विद्यार्थियों की गतिविधियों में भागीदारी के आधार पर किया जाना चाहिए।
- सतत मूल्यांकन में विद्यार्थियों की मौखिक कुशलताओं पर बल दिया जाना चाहिए।
- मूल्यांकन में अवलोकन, वाचन, श्रवण, पठन एवं लेखन को सम्मिलित किया जाना चाहिए।

1 जोकर

लाल-लाल हैं इसके गाल,
गोल-मटोल है इसकी नाक।
मोटा पेट हिलाता है,
सबको खूब हँसाता है।

उछल बाँस पर चढ़ जाता है,
रस्सी पर दौड़ लगाता है।
हर पल यह मुसकाता है,
सबको खूब हँसाता है।

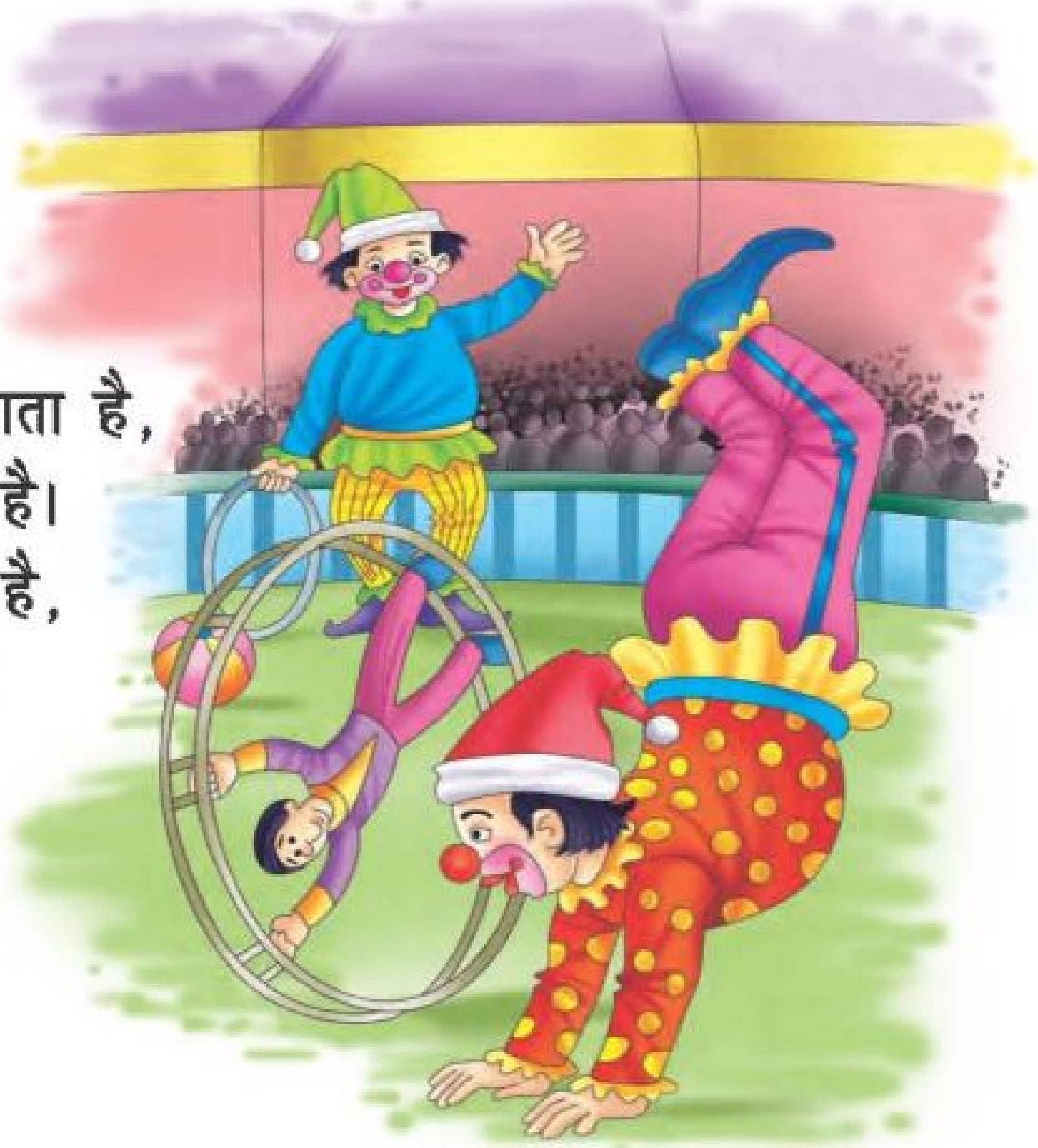

उलटे-सीधे करतब दिखलाकर,
मार लिया इसने मैदान।
दिखता है नटखट शैतान,
पर जोकर है सरकस की शान।

शिक्षा हर पल मुसकराते रहना चाहिए।

शिक्षण संकेत

- बच्चों से सरकस के बारे में पूछें।
- बच्चों को सरकस में दिखाए जाने वाले करतबों के बारे में बताएँ।
- सरकस में जोकर क्या-क्या करता है। इसके बारे में भी बताएँ।
- कविता का समूहगान करवाएँ।

शब्दार्थ

करतब	–	बाजीगरी, कौशल	नटखट	–	शरारती
शैतान	–	दुष्ट	शान	–	प्रतिष्ठा, वैभव

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

हँसाना मुसकराना मैदान शैतान

2. सोचकर बताइए–

(क) जोकर की नाक कैसी है?

(ख) सरकस में जोकर क्या-क्या करता है?

(ग) 'मार लिया इसने मैदान' का क्या अर्थ है?

लिखित

1. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) सरकस में सबको कौन हँसाता है?

....

(ख) जोकर किस पर दौड़ लगाता है?

....

(ग) जोकर कैसा दिखता है?

....

2. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

(क) मोटा पेट हिलाता है,

....

(ख) उछल बाँस पर चढ़ जाता है,

....

3. सरकस में जोकर क्या-क्या करता है? वाक्यों के सामने (✓) अथवा (✗) का चिह्न लगाइए-

(क) हँसाता है। ☐ (ख) सबको मार भगाता है। ☐

(ग) पढ़ाई करता है। ☐ (घ) आँखें मलता है। ☐

(ङ) उलटी साइकिल चलाता है। ☐ (च) रस्सी पर दौड़ता है। ☐

भाषा ज्ञान

1. नीचे दिए शब्दों का उनके विलोम शब्दों से मिलान कीजिए-

हँसना — खाली

सोना — उतरना

लंबी — रोना

चढ़ना — जागना

भरा — छोटी 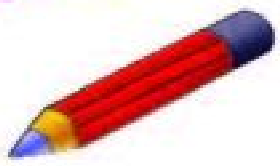

2. लय-ताल मिलाकर लिखिए–

हिलाता	जाता	मैदान
....	....	....

3. उचित क्रिया शब्द चुनकर वाक्यों को पूरा कीजिए–

> जो शब्द किसी कार्य के करने या होने के बारे में बताता है, उसे **क्रिया** कहते हैं।

(क) सरकस में जोकर .... है। (आता / आते)

(ख) जोकर सबको खूब .... है। (हँसते / हँसाता)

(ग) जोकर उलटी साइकिल .... है। (चलता / चलाता)

4. एक से अनेक बनाइए–

एक — **अनेक**

टोपी – ....

बच्चा – ....

पाजामा – ....

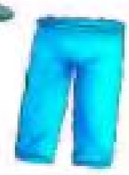

मेज़ – ....

कविता से आगे

- सरकस में जोकर की चाल तो आपने देखी होगी। इनमें से कौन कैसे चलता है–

– फुदक-फुदककर – ....

– .... 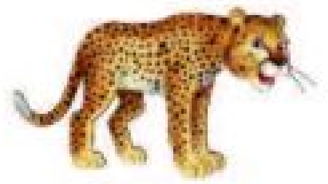 – ....

– .... – ....

नन्हे हाथों से

- बिंदुओं को मिलाकर चित्र पूरा कीजिए और रंग भरिए–

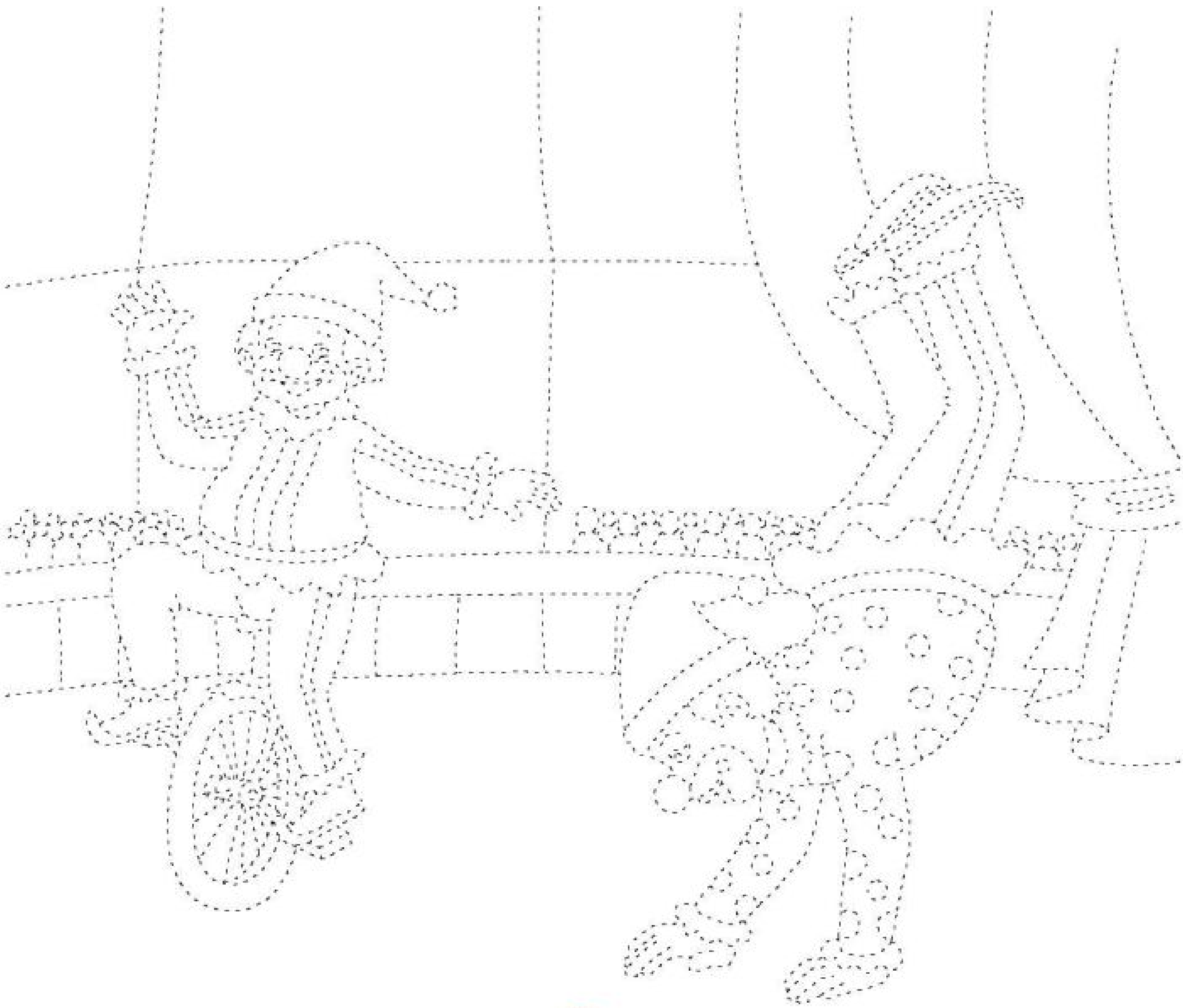

जोकर

कुछ करने को

- अपने माता-पिता के साथ सरकस देखने जाइए। सरकस में आपने क्या-क्या देखा तथा आपको उसमें सबसे अच्छा क्या लगा? इसके बारे में कक्षा में बताइए।

आप क्या करेंगे

- **यदि आपकी कक्षा में कोई बच्चा उदास बैठा हो तो–**

(क) उसे तंग करेंगे। ☐

(ख) उसे कुछ नहीं कहेंगे। ☐

(ग) बातचीत करके उसे खुश करेंगे। ☐

- **यदि आप अपने माता-पिता के साथ सरकस देखने जाएँ और जोकर आपसे हाथ मिलाने आए तो–**

(क) खुशी से हाथ मिलाएँगे। ☐

(ख) डरकर माता जी के पीछे छिप जाएँगे। ☐

(ग) डरकर रोने लगेंगे। ☐

2 पड़ोसी का कर्त्तव्य

'अरे, बाप रे! सूरज सिर पर चढ़ आया। इतनी तेज धूप निकल आई! ज्वर के कारण समय पर आँख भी नहीं खुल पाई। अभी बच्चे जाग जाएँगे और खाने के लिए शोर मचाएँगे।' यह सोचकर चुनमुन ने उड़ने के लिए पंख फैलाए। पर यह क्या? वह फुदककर 'धम्म' से वापस डाल पर आ बैठी। इतने में बच्चे भी जाग गए।

रूनझुन बोला–"माँ, आपको तेज़ बुखार है ना! आज आप कहीं मत जाइए। यहीं आराम कीजिए।" चुनमुन ने बेबसी से कहा–"पर बेटा, तुम्हारे लिए भोजन कौन लाएगा? मुझे जाना ही होगा।" तभी टुन्नू बोला–"माँ, आप हमारी चिंता मत कीजिए। हम भोजन की व्यवस्था स्वयं कर लेंगे।" चुनमुन बोली– "पर बेटा! तुम अभी बहुत छोटे हो।" "आप आराम कीजिए। हम अभी आते हैं।" यह कहकर दोनों डाल पर फुदकते हुए आगे बढ़ गए।

शिक्षण संकेत

- बच्चों को अच्छे पड़ोसी के गुणों के बारे में बताएँ।
- बच्चों में सहयोग की भावना व मेल-जोल को बढ़ावा दें।
- बच्चों के सामने विभिन्न परिस्थितियाँ रखें और उनसे पूछें कि वे ऐसी स्थिति में दूसरों की सहायता कैसे करेंगे?

फुदकते-फुदकते वे पड़ोसिन आंटी गुनगुन के पास पहुँचे। वह अपने दोनों बच्चों को बड़े प्यार से दाना खिला रही थी। उनको देखकर गुनगुन ने खुशी से उनका स्वागत करते हुए पूछा–"अरे! तुम दोनों घोंसले से बाहर क्यों आ गए?" उन्होंने बताया कि हमारी माँ बहुत बीमार है। वह हमारे लिए खाना नहीं ला सकती। "ओह! यह तो तुमने बहुत अच्छा किया जो आकर मुझे बता दिया।" यह कहकर गुनगुन ने उन दोनों को भरपेट खाना खिलाया। फिर कुछ दाने लेकर चुनमुन के पास आई और बोली–"लो बहन, कुछ खा लो। बच्चों की चिंता मत करो। जब तक तुम ठीक नहीं हो जातीं तब तक मैं तुम सबके लिए खाना लेकर आऊँगी।"

चुनमुन ने उदास मन से कहा–"अरे, नहीं बहन! तुम कष्ट मत उठाओ। मैं भोजन की व्यवस्था कर लूँगी। मुझे किसी का अहसान लेना अच्छा नहीं लगता है।" गुनगुन ने समझाया–"नहीं, बहन! यह अहसान नहीं है। संकट के समय यदि पड़ोसी ही पड़ोसी की सहायता नहीं करेगा तो कौन करेगा? पड़ोसी होने के नाते यह तो हमारा कर्त्तव्य बनता है कि हम एक-दूसरे के काम आएँ। फिर अहसान तो इन दोनों बच्चों का हम पर है क्योंकि उस दिन यदि ये दोनों शोर नहीं मचाते तो ब्लैकी साँप मुझे और मेरे

बच्चों को खा गया होता। हम तो गहरी नींद में सोए हुए थे। इन दोनों के शोर से सारे पक्षी इकट्ठे हो गए और उन्होंने साँप को भगा दिया।"

पूरी घटना सुनकर चुनमुन ने दोनों बच्चों को गले लगा लिया और गुनगुन को धन्यवाद दिया।

शिक्षा अच्छे पड़ोसी वही होते हैं जो संकट के समय एक-दूसरे के काम आएँ।

शब्दार्थ

वजह – कारण	बेबसी – लाचारी	व्यवस्था – इंतजाम, प्रबंध
स्वयं – अपने-आप	कष्ट – तकलीफ़	अहसान – उपकार
कर्त्तव्य – फर्ज़		

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

पंख घोंसला व्यवस्था पड़ोसी धन्यवाद

2. सोचकर बताइए–

(क) चुनमुन की क्या समस्या थी?

(ख) गुनगुन ने अच्छे पड़ोसी का कर्त्तव्य कैसे निभाया?

(ग) बच्चों ने गुनगुन की सहायता कैसे की थी?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) चुनमुन खाना लाने क्यों नहीं जा पाई?

....

(ख) बच्चों ने किससे मदद माँगी?

....

(ग) साँप को किसने भगाया था?

....

2. सही शब्द भरकर वाक्य पूरे कीजिए–

खाना
कष्ट
डाल

(क) बच्चे .... पर फुदकने लगे।

(ख) गुनगुन ने बच्चों को भरपेट .... खिलाया।

(ग) बहन! तुम .... मत उठाओ।

3. कहानी की घटनाओं को सही क्रम में लगाइए–

☐ इन दोनों के शोर से सारे पक्षी इकट्ठे हो गए।

☐ मैं तुम सबके लिए खाना लेकर आऊँगी।

☐ चुनमुन ने दोनों बच्चों को गले लगा लिया।

☐ हमारी माँ बहुत बीमार है।

4. सही उत्तर पर (✓) लगाइए–

(क) चुनमुन के बच्चों का क्या नाम था?

(*i*) रूनझुन और टुनमुन ☐

(*ii*) रूनझुन और टुन्नू ☐

(*iii*) गुनगुन और रूनझुन ☐

(ख) पड़ोसिन आंटी का क्या नाम था?

(*i*) चुनमुन ☐ (*ii*) रूनझुन ☐ (*iii*) गुनगुन ☐

(ग) साँप का क्या नाम था?

(*i*) ब्लैकी ☐ (*ii*) स्नैकी ☐ (*iii*) मनैकी ☐

5. किसने कहा–

आप आराम कीजिए। हम अभी आते हैं।

मुझे किसी का अहसान लेना अच्छा नहीं लगता है।

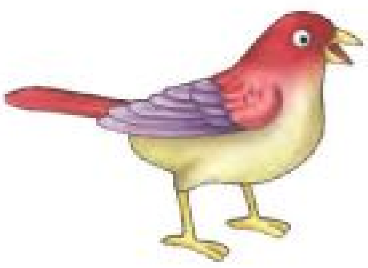

बच्चों की चिंता मत करो।

भाषा ज्ञान

1. चित्र देखकर इनके लिए एक शब्द और लिखिए–

वृक्ष ....

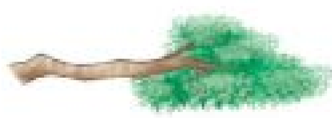 शाखा ....

भोजन ....

पत्ता ....

बालक ....

घोंसला ....

2. संयुक्ताक्षरों से शब्द बनाकर लिखिए–

प् + य = प्य 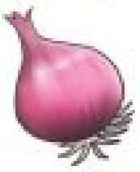 ....प्याज़..........

स् + त = स्त ....

च् + छ = च्छ 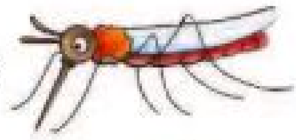 ....

ब् + ज = ब्ज 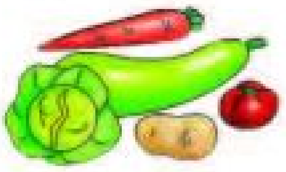 ....

कहानी से आगे

- यदि बच्चे पड़ोसिन आंटी से सहायता नहीं माँगते तो क्या होता?
- यदि साँप को देखकर बच्चे शोर नहीं मचाते तो क्या होता?

नन्हे हाथों से

- **तोते को हरी मिर्च खाना अच्छा लगता है। नीचे दिए पशु-पक्षियों को कौन-सा भोजन पसंद है, मिलान कीजिए–**

बंदर	घास
गिलहरी	हड्डी
हाथी	केला
गाय	चूहा
मोर	गन्ना
कुत्ता	मूँगफली
बिल्ली	साँप

कुछ करने को

- अध्यापिका की सहायता से 'अच्छे पड़ोसी' विषय पर एक नाटक तैयार कर उसका मंचन कीजिए।
- कुछ जानवरों एवं उनके बच्चों के चित्र अपनी प्रोजेक्ट फाइल में लगाइए। उन जानवरों के बच्चों को क्या कहते हैं? यह भी लिखिए।

आप क्या करेंगे

- **आपके पड़ोस में कोई नया पड़ोसी आए और उनका बेटा या बेटी आपकी उम्र का हो तो उसे देखकर आप क्या करेंगे?**

(क) उसे दूर से ही देखेंगे। ☐

(ख) उसे बुलाकर अपने मित्रों से मिलवाएँगे। ☐

(ग) उसे तंग करके भगा देंगे। ☐

- **आपके पड़ोसी का कुत्ता आपके घर आ जाए तो–**

(क) उसे अपने घर में छिपा लेंगे। ☐

(ख) उसे मारकर भगा देंगे। ☐

(ग) उसे वापस पड़ोसी के घर छोड़ आएँगे। ☐

3 सीता

बहुत समय पहले की बात है। राजा जनक के कोई संतान नहीं थी। वे प्रजा को ही अपनी संतान मानते थे। एक बार उनके राज्य में पानी नहीं बरसा। सर्वत्र सूखा पड़ गया। लोग भूख से मरने लगे। चारों ओर त्राहि-त्राहि मच गई।

इस समस्या का समाधान खोजने के लिए राजा ने शास्त्रों के ज्ञाता, विद्‌वानों एवं पंडितों को बुलाया। सबने विचार करके सलाह दी कि यदि राजा और रानी खेत में सोने का हल चलाएँ तो पानी अवश्य बरसेगा। उनकी सलाह मानकर राजा और रानी खेत में हल चलाने हेतु गए।

जब राजा और रानी हल चला रहे थे तो हल चलते-चलते एक स्थान पर रुक गया। हल की फाल किसी वस्तु से टकरा गई थी। खुदाई करने पर वहाँ एक घड़ा दिखाई दिया। उस घड़े में एक सुंदर कन्या थी। राजा और रानी ने जैसे ही उस कन्या को गोद में लिया, बहुत ज़ोर से पानी बरसने लगा। राजा जनक उस कन्या

शिक्षण संकेत

- बच्चों को रामायण की जानकारी देते हुए जीवन के आदर्शों के बारे में बताएँ। बच्चों से रामलीला के संबंध में प्रश्न पूछें।
- रामायण के प्रमुख पात्रों के व्यवहार आदि के बारे में भी बताएँ।
- रामलीला का जो पात्र बच्चों को सबसे ज्यादा पसंद है उसके बारे में प्रश्न पूछें।

को पाकर बहुत खुश हुए। उन्होंने उसका नाम सीता रखा। जब वह बड़ी हो गई तो राजा जनक ने उसका विवाह करने की **घोषणा** की।

उनके महल में भगवान शिव का एक पुराना व भारी धनुष रखा हुआ था। उन्होंने शर्त रखी–"जो इस धनुष को उठाएगा उसी के साथ मैं अपनी कन्या का विवाह करूँगा।" अनेक देशों के राजा आए, सभी ने बारी-बारी से प्रयास

किया, पर कोई भी धनुष को उठा नहीं पाया। श्री रामचंद्र और लक्ष्मण भी अपने गुरु के साथ वहाँ पहुँचे। रामचंद्र जी ने धनुष उठाया और वह टूट गया। इस प्रकार सीता जी का विवाह रामचंद्र जी के साथ हो गया।

शब्दार्थ

संतान – औलाद	**सर्वत्र** – चारों ओर	**त्राहि-त्राहि** – हाहाकार
समाधान – हल	**फाल** – हल के आगे का नुकीला भाग	
कन्या – लड़की	**घोषणा** – ढिंढोरा, मुनादी	

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

शास्त्र पंडित खुदाई धनुष श्री रामचंद्र

2. सोचकर बताइए–

(क) राजा और रानी ने खेत में हल क्यों चलाया?

(ख) हल चलते-चलते क्यों रुक गया था?

(ग) सीता का विवाह कैसे हुआ?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) लोग क्यों मर रहे थे?

....

(ख) विद्वानों और पंडितों ने राजा को क्या सलाह दी?

....

(ग) कन्या को गोद में लेते ही क्या हुआ?

....

(घ) सीता का विवाह किसके साथ हुआ?

....

2. कहानी की घटनाओं को सही क्रम में लगाइए–

☐ राजा-रानी ने सोने का हल चलाया।

☐ राज्य में सूखा पड़ गया था।

☐ सीता जी का विवाह रामचंद्र जी के साथ हुआ।

☐ बहुत ज़ोर से पानी बरसने लगा।

☐ कन्या के विवाह की घोषणा की गई।

☐ घड़े में सुंदर कन्या थी।

3. नीचे दिए प्रश्नों के सही उत्तर पर (✓) लगाइए–

(क) घड़े से क्या निकला?

(*i*) कन्या ☐ (*ii*) लड़का ☐ (*iii*) बंदर ☐

(ख) कन्या का नाम क्या रखा गया?

(*i*) राधा ☐ (*ii*) सीता ☐ (*iii*) गीता ☐

(ग) धनुष किस भगवान का था?

(*i*) कृष्ण ☐ (*ii*) विष्णु ☐ (*iii*) शिव ☐

भाषा ज्ञान

1. नीचे दिए शब्दों में संज्ञा शब्दों पर गोला लगाइए–

जनक बात घड़ा वे हम रानी

गए कन्या हल किसी सीता अच्छा

2. स्वरों के स्थान पर उनकी मात्राएँ लगाकर शब्द बनाइए–

(क) भ् + ऊ + ख् + आ = भूखा

(ख) स् + ओ + न् + ए = ...

(ग) फ् + आ + ल् + अ = ...

(घ) ख् + उ + द् + आ + ई = ...

(ङ) ध् + अ + न् + उ + ष् + अ = ...

3. नीचे दिए शब्दों में मात्राएँ लगाकर शब्द बनाइए–

(क)	च	म	ल	(एक फूल का नाम)	चमेली
(ख)	स	ब		(एक फल का नाम)	
(ग)	ग	भ		(एक सब्ज़ी का नाम)	
(घ)	भ	ल		(एक पशु का नाम)	
(ङ)	म	र	न	(एक पक्षी का नाम)	

4. नीचे दिए शब्दों में से शुद्ध शब्दों पर गोला लगाइए–

(क) क्योंकि क्योंकी (ख) सुखा सूखा

(ग) रुक रूक (घ) पानी पानि

कथा से आगे

- यदि सोने का हल चलाने पर भी वर्षा नहीं होती तो क्या होता?
- यदि श्री राम शिव का धनुष नहीं उठा पाते तो क्या होता?

कुछ करने को

- पौराणिक कथाओं का हमारे जीवन में महत्त्वपूर्ण स्थान है। अध्यापक एवं बड़ों की सहायता से श्री राम और सीता से संबंधित लघु कथाओं को पढ़िए तथा कक्षा में सुनाइए।
- अध्यापिका की सहायता से कक्षा में 'रामायण' से संबंधित किसी कथा का मंचन कीजिए।

नन्हे हाथों से

- चित्र को देखकर पाँच वाक्य लिखिए–

आप क्या करेंगे

- यदि आप परिवार के साथ मेले में जाएँ और भीड़ में खो जाएँ तो–

(क) वहीं खड़े होकर रोने लगेंगे।

(ख) भीड़ में अपने परिवार के सदस्यों को ढूँढ़ने लगेंगे।

(ग) पास खड़े पुलिसकर्मी या मेला कर्मचारी को अपनी समस्या बताएँगे।

- यदि आपका गला खराब है तो मेले में आइसक्रीम वाले को देखकर–

(क) आइसक्रीम खाने का हठ करेंगे।

(ख) किसी को बिना बताए स्वयं आइसक्रीम खरीदकर खा लेंगे।

(ग) आइसक्रीम न खाने की डॉक्टर की सलाह को मानेंगे।

4 नाना जी की सीख

मेरठ में एक लड़का रहता था। उसका नाम राजन था। लोगों को परेशान करना, सहपाठियों से लड़ाई-झगड़ा करना और रास्ते पर चलते हुए कुत्तों को पत्थर मारना जैसी न जाने कितनी बुरी आदतें उसमें थीं। परेशान होकर राजन के माता-पिता ने छुट्टियों में उसे नाना जी के पास गाँव भेज दिया।

वहाँ जाते ही राजन ने फिर से शैतानियाँ करनी शुरू कर दीं। गाँव के लोग रोज़ उसकी शिकायत लेकर आते। परेशान होकर नाना जी एक दिन उसे अपने बगीचे में ले गए। वहाँ जाकर उन्होंने राजन से एक छोटे-से पौधे को उखाड़ने के लिए कहा। राजन ने झट से उसे उखाड़ दिया। फिर नाना जी ने उसे एक बड़ी झाड़ी को उखाड़ने के लिए कहा। राजन ने अपना सारा ज़ोर लगा दिया, लेकिन झाड़ी टस-से-मस नहीं हुई।

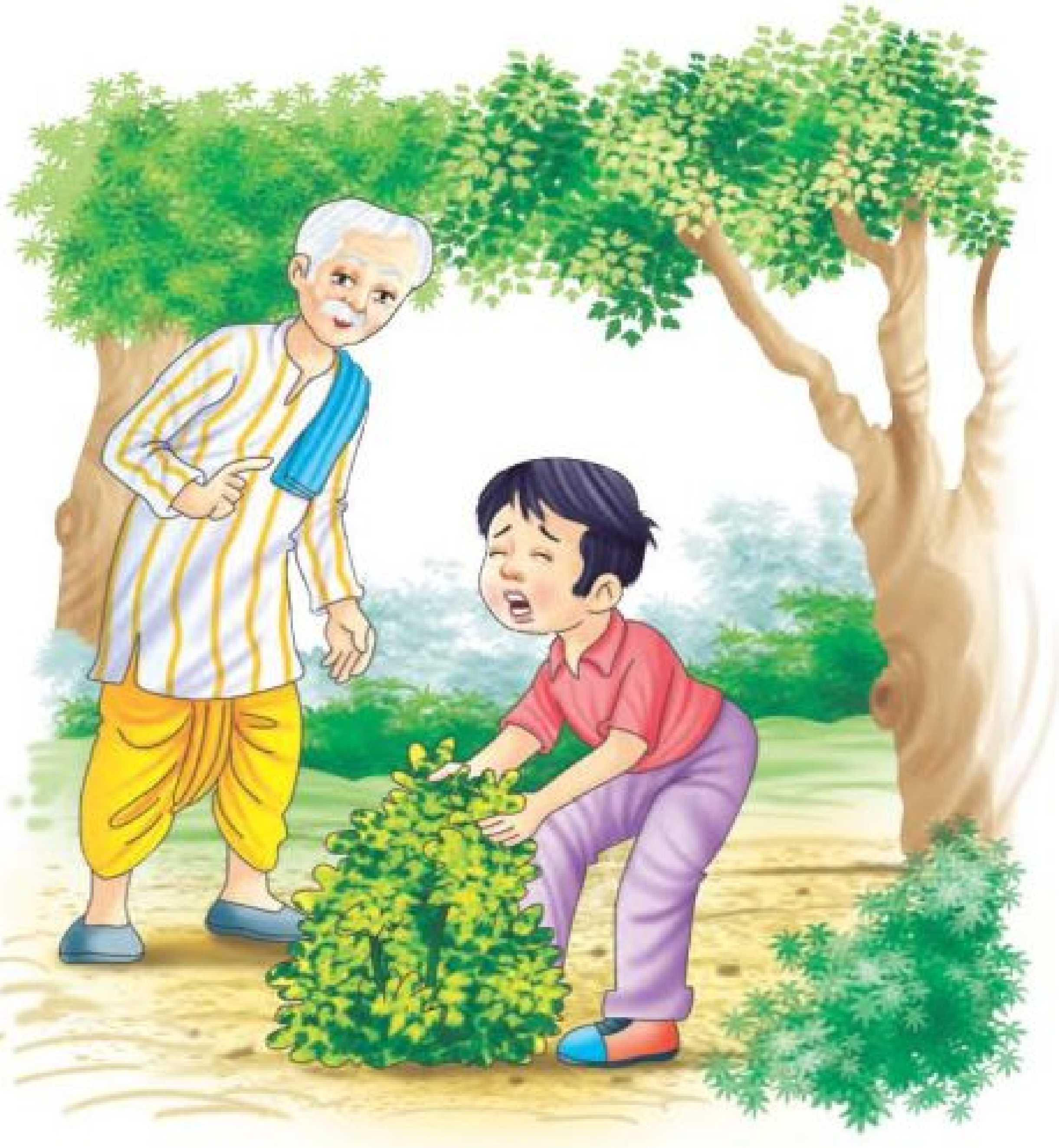

शिक्षण संकेत

• बच्चों को बुरी आदतों व बुरे आचरण से बचने की सलाह देते हुए उन्हें अच्छी आदतें अपनाने के लिए प्रेरित करें। जैसे-सुबह जल्दी उठना, समय पर स्कूल आना, लड़ाई-झगड़ा न करना आदि।

राजन ने गहरी साँस लेते हुए कहा, "नाना जी, इसे उखाड़ना तो बहुत दुष्कर है।" तब नाना जी ने उसे समझाते हुए कहा, "बेटे, बिलकुल ऐसा ही बुरी आदतों के साथ होता है। इन्हें शुरुआत में सुधारना आसान है, लेकिन अगर ये अपनी जड़ पकड़ लें, तो इन्हें सुधारना बहुत कठिन हो जाता है।"

नाना जी की इस सीख से राजन बिलकुल बदल गया। अब वह एक अच्छे बच्चे की तरह रहने लगा।

शिक्षा हमें बुरी आदतों से बचना चाहिए।

शब्दार्थ

उखाड़ना – निकालना ज़ोर – ताकत टस-से-मस न होना – बिलकुल न हिलना
शुरुआत – आरंभ कठिन – मुश्किल सीख – शिक्षा
जड़ – पेड़-पौधों आदि का निचला भाग जो भूमि के अंदर रहता है।

इन्हें ऐसे भी लिख सकते हैं–

विद्यालय – विद्‌यालय छुट्टियाँ – छुट्‌टियाँ कुत्तों – कुत्‌तों

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. **पढ़िए और बोलिए–**

पत्थर छुट्‌टियाँ शैतानियाँ शिकायत शुरुआत

2. **सोचकर बताइए–**

(क) राजन में कौन-कौन सी बुरी आदतें थीं?

(ख) गाँव में जाकर राजन ने क्या किया?

(ग) राजन झाड़ी को क्यों नहीं उखाड़ सका?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) राजन कैसा लड़का था?

....

(ख) माता-पिता ने राजन को गाँव क्यों भेजा?

....

(ग) 'नाना जी की सीख' से राजन में क्या परिवर्तन आया?

....

2. वाक्यों के सामने (✓) अथवा (✗) का चिह्न लगाइए–

(क) लड़के का नाम सोहन था। ☐

(ख) राजन कुत्तों को पत्थर मारता था। ☐

(ग) गाँव के लोग राजन की शैतानियों से परेशान थे। ☐

(घ) राजन ने झाड़ी को सरलता से उखाड़ दिया। ☐

(ङ) बुरी आदतों को शुरू में सुधारना सरल होता है। ☐

3. नीचे दिए शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए–

बिलकुल, शैतानियाँ, बगीचे, परेशान

(क) राजन लोगों को .... करता था।

(ख) एक दिन नाना जी राजन को अपने .... में ले गए।

(ग) गाँव में जाकर राजन ने फिर से .... करनी शुरू कर दीं।

(घ) नाना जी की सीख से राजन .... बदल गया।

4. **सही उत्तर पर (✓) लगाइए–**

(क) राजन कौन-से शहर में रहता था?

(*i*) मेरठ ☐ (*ii*) दिल्ली ☐ (*iii*) मुंबई ☐

(ख) माता-पिता ने राजन को किसके पास भेजा?

(*i*) दादा जी ☐ (*ii*) नाना जी ☐ (*iii*) चाचा जी ☐

(ग) नाना जी ने राजन से पहले क्या उखाड़ने को कहा?

(*i*) झाड़ी ☐ (*ii*) पेड़ ☐ (*iii*) छोटा पौधा ☐

भाषा ज्ञान

1. **नीचे दिए शब्दों के उलटे अर्थ वाले शब्द लिखिए–**

बड़ा	....	कठिन	....
अपना	....	जीवन	....
बुरी	....	शुरुआत	....

2. **कहानी में से चंद्रबिंदु (ँ) वाले तीन शब्द खोजकर लिखिए–**

....

3. **नीचे दिए शब्दों को पढ़कर उनके समानार्थी शब्द लिखिए–**

बगीचा	माता	कठिन	शुरुआत
....	....	....	....

4. **नीचे दिए वाक्यों में सर्वनाम शब्दों को रेखांकित कीजिए–**

(क) उसका नाम राजन था।

(ख) राजन ने झट से उसे उखाड़ दिया।

(ग) इसे उखाड़ना बहुत दुष्कर है।

(घ) वह अच्छे बच्चे की तरह रहने लगा।

जो शब्द किसी भी नाम या संज्ञा की जगह प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें **सर्वनाम** कहते हैं। जैसे– मैं, हम, तू, उसे आदि।

कहानी से आगे

- यदि राजन नाना जी की बात को न समझता तो क्या होता?
- आपके छोटे भाई-बहन कौन-कौन सी शैतानियाँ करते हैं? आप उनको कैसे समझाते हैं?

नन्हे हाथों से

- **चित्र को देखकर लिखिए कि इनमें से कौन-सी आदतें बुरी हैं और कौन-सी अच्छी?**

अच्छी आदतें	बुरी आदतें
....	....
....	....
....	....

कुछ करने को

- अपने कुछ मित्रों के नाम की सूची तैयार कीजिए। उनकी कुछ अच्छी व बुरी आदतों को प्रोजेक्ट फाइल में लिखिए।

आप क्या करेंगे

- **यदि आप खेलना चाहते हैं और आपका मित्र आपके साथ खेलने से मना कर दे तो–**

(क) उससे नाराज़ हो जाएँगे। ☐

(ख) अपनी बात बार-बार दोहराएँगे। ☐

(ग) किसी अन्य के साथ खेलने लगेंगे। ☐

- **यदि क्रिकेट खेलते समय आपको गेंद से चोट लग जाए तो–**

(क) गेंद फेंकने वाले से झगड़ा करेंगे। ☐

(ख) रोने लगेंगे। ☐

(ग) सोचेंगे कि खेल में तो ऐसा होता ही रहता है। ☐

5 हिना का सपना

दिनांक 10/8/........
समय 8:30

कल मैंने एक अजीब-सा सपना देखा। सपने में एक नन्हा बादल आसमान की सैर कर रहा था। इंद्रधनुष को देखते हुए वह ज़मीन पर आ गया। उसने देखा एक लड़की अकेली बैठकर रो रही है। वह उसके सामने जाकर खड़ा हो गया।

उसे देखकर छोटी लड़की रोना भूल गई और आश्चर्य से बोली-"नन्हे बादल, तुम ज़मीन पर क्या कर रहे हो?" नन्हा बादल मुसकराता हुआ बोला-

शिक्षण संकेत

- बच्चों की कल्पनात्मक रुचि को बढ़ावा दें। प्रत्येक बच्चे को अवसर देते हुए उनसे उनकी कल्पनाओं के बारे में पूछें।
- बच्चों को उनके मन में उठे विचार व भावनाओं को डायरी में लिखने को कहें।
- किसी बच्चे द्वारा डायरी में लिखी अच्छी बातों को कक्षा में पढ़कर सुनाएँ।

"मैं आसमान में उड़ते-उड़ते ऊब गया था, इसलिए धरती की सैर करने चला आया। पर तुम कौन हो और क्यों रो रही हो?"

छोटी लड़की बोली–"मेरा नाम रिमझिम है। मैं आसमान की सैर करना चाहती हूँ।" नन्हा बादल बोला–"बस, इतनी-सी बात! मैं तुम्हें आसमान की सैर करा सकता हूँ।"

"सच!" कहकर खुशी से उछलते हुए वह बादल की पीठ पर बैठ गई। नन्हे बादल ने धीरे-धीरे उड़ना शुरू किया। रिमझिम ने देखा कि खेत और घर छोटे होते जा रहे थे। तभी उसे एक ट्रेन जाती दिखाई दी जो खिलौना ट्रेन जितनी छोटी लग रही थी।

बादल और ऊपर उड़ा, तो रिमझिम को नीचे विशाल नीला समुद्र दिखाई दिया। उसने डर के मारे आँखें बंद कर लीं। उसे ठंडी-ठंडी हवा लग रही थी इसलिए वह सो गई। यह देखकर नन्हा बादल धीरे-धीरे नीचे उतरा। उसने रिमझिम को मुलायम घास पर लिटा दिया और वापस उड़ चला। रिमझिम

आँखें मलते हुए उठ बैठी।

तभी मैं जाग गई। रिमझिम कोई और नहीं बल्कि मेरी प्यारी सहेली है। मैंने जब उसे अपने सपने की बात बताई तो वह हँसने लगी और बोली, "ठीक है! आज रात मैं तुम्हें चाँद की सैर कराऊँगी।" यह सुनकर मैं भी खूब हँसी और हम दोनों देर तक हँसते रहे।

शब्दार्थ

नन्हा	–	छोटा	आश्चर्य	–	अचरज	ऊबना	–	उकताना
सैर	–	घूमना	विशाल	–	बड़ा	मुलायम	–	कोमल

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

इंद्रधनुष समुद्र मुलायम आँखें

2. सोचकर बताइए–

(क) रिमझिम कौन थी?

(ख) क्या रिमझिम ने सचमुच आसमान की सैर की थी?

(ग) हिना और रिमझिम क्यों हँस रही थीं?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) रिमझिम को आश्चर्य क्यों हुआ?

....

(ख) नन्हा बादल ज़मीन पर क्या कर रहा था?

....

(ग) रिमझिम ने आसमान की सैर करते हुए क्या-क्या देखा?

....

(घ) रिमझिम किसे देखकर डर गई थी?

....

2. नीचे दिए शब्दों की सहायता से वाक्यों के रिक्त स्थान भरिए-

रिमझिम, इंद्रधनुष आसमान, नन्हे बादल

(क) .... को देखते हुए नन्हा बादल ज़मीन पर आ गया।

(ख) रिमझिम .... की सैर करना चाहती थी।

(ग) .... ने धीरे-धीरे उड़ना शुरू किया।

(घ) नन्हे बादल ने .... को मुलायम घास पर लिटा दिया।

3. सही उत्तर पर (✓) लगाइए-

(क) सपना किसने देखा था?

(*i*) रिमझिम ने ☐ (*ii*) बादल ने ☐ (*iii*) हिना ने ☐

(ख) आसमान की सैर कौन करना चाहती थी?

(*i*) हिना ☐ (*ii*) रिमझिम ☐ (*iii*) घटा ☐

(ग) रिमझिम ने किस पर बैठकर आसमान की सैर की?

(*i*) बादल पर ☐ (*ii*) हवाई जहाज़ पर ☐

(*iii*) हेलीकॉप्टर पर ☐

(घ) बादल ने रिमझिम को कहाँ लिटाया था?

(*i*) चारपाई पर ☐ (*ii*) पलंग पर ☐ (*iii*) घास पर ☐

भाषा ज्ञान

1. नीचे दिए शब्दों का उनके विलोम शब्दों से मिलान कीजिए–

धूप	घृणा
रोना	छाया
ज़मीन	ऊपर
नीचे	हँसना
प्रेम	आसमान

2. चित्र को देखकर उचित विशेषण शब्द भरिए–

(क) ....छोटी........ लड़की

(ख) .... हवा

(ग) .... बादल

(घ) .... तितलियाँ

(ङ) .... समुद्र

(च) .... घास

> जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, उन्हें **विशेषण** कहते हैं, जैसे– **छोटी** लड़की। यहाँ **छोटी** शब्द लड़की की विशेषता बता रहा है। इसलिए **छोटी** विशेषण शब्द है।

3. का, की अथवा को लिखकर वाक्य पूरे कीजिए–

(क) छोटी लड़की .... नाम रिमझिम था।

(ख) रिमझिम .... मुलायम घास पर लिटा दिया।

(ग) मैं तुम्हें चाँद .... सैर कराऊँगी।

डायरी से आगे

- रिमझिम आसमान की सैर करना चाहती थी। आप कहाँ की सैर करना चाहते हैं?
- रिमझिम आसमान में उड़ते-उड़ते डर गई थी। आप कब डर जाते हैं? और फिर आप क्या करते हैं?

नन्हे हाथों से

- **चित्र को देखकर आपके मन में जो विचार आए, उन्हें लिखिए—**

....

....

....

....

- **बादलों से पानी बरसने को वर्षा या बारिश कहते हैं। बारिश से बचने के लिए लोग छाते का प्रयोग करते हैं। ये सब बारिश से बचने के लिए क्या करेंगे?**

....

....

....

....

....

कुछ करने को

- आदमी चंद्रमा पर कैसे जा सकता है? इसके बारे में पता लगाइए।

आप क्या करेंगे

- **यदि रात को सोते हुए आप कोई सपना देखकर डर जाएँ तो–**

(क) ज़ोर-ज़ोर से रोने लगेंगे। ☐

(ख) भागकर मम्मी को जगाएँगे। ☐

(ग) डरने की कोई बात नहीं यह तो सपना था। यह सोचकर पुनः सोने की कोशिश करेंगे। ☐

- **यदि आपका कोई मित्र आपका मज़ाक उड़ाए तो–**

(क) मित्रता में सब चलता है। यह सोचकर आप उसको माफ़ कर देंगे। ☐

(ख) मुँह लटकाकर बैठ जाएँगे। ☐

(ग) उसे बाद में सबक सिखाने की सोचेंगे। ☐

6 आलू जी का ब्याह

देखो जी हर बराती में है कैसा उत्साह,
जी के संग हो रहा जी का ब्याह।
जी ने बजाया, ढम्म-ढमाढम-ढम्म,
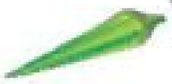रानी लगी नाचने, छम्म-छमाछम-छम।
टोप लगा बाबू ने ठुमक दिखाई चाल,
छज्जे से लटकी हुई शर्म से लाल।
बन फोटोग्राफर जब श्रीमान आए,
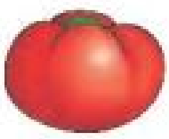 झूमे-नाचे गाए।
जी ने बीन बजाई, ने शहनाई,
जी गा उठीं, वधू ने वरमाला पहनाई।
बुझी-बुझी सी मौसी, दुखी भाई,
भीगी पलकों से की होने लगी विदाई।
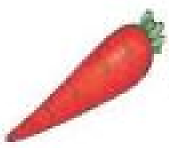ताई और चाचा कहते राम दुहाई,
ऐसी सुंदर जोड़ी भगवन, तुमने खूब बनाई।

शिक्षण संकेत

- बच्चों से लय-ताल के साथ समूह में कविता सुनें।
- बच्चों को सब्ज़ियाँ खाने से लाभ को बताते हुए उन्हें सब्ज़ियाँ खाने को प्रेरित करें।

शब्दार्थ

बराती – बरात में आए हुए लोग
उत्साह – जोश
संग – साथ
ब्याह – शादी
वधू – दुलहन
दुखी – परेशान
भीगी पलकें – आँसुओं से गीली आँखें
विदाई – विदा होने या करने का कार्य

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

उत्साह ब्याह छज्जा फोटोग्राफर शहनाई

2. सोचकर बताइए–

(क) शादी में ढोल किसने बजाया था?

(ख) मूली ने क्या बजाई थी?

(ग) शादी में फोटोग्राफर बनकर कौन आया था?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) किसकी शादी किससे हो रही थी?

....

(ख) शर्म से लाल कौन हो रहा था?

....

(ग) शादी में कौन-कौन नाच-गा रहा था?

....

2. नीचे दी गई कविता की पंक्तियों को पूरा कीजिए–

(क) देखो जी हर ....

.... का ब्याह।

(ख) टोप लगा ....

.... शर्म से लाल।

(ग) गाजर ताई और ....

.... खूब बनाई।

3. तालिका की सहायता से कविता के आधार पर वाक्य बनाइए–

कटहल जी ने	शलग़म	चाल।
टोप लगा बैंगन बाबू ने	ढोल बजाया	ने शहनाई।
मूली जी ने बीन बजाई,	ठुमक दिखाई	ढम्म-ढमाढम-ढम्म।

भाषा ज्ञान

1. लय-ताल मिलाइए–

उत्साह .... ढम्म .... चाल ....

शहनाई .... भाई .... दुहाई ....

2. नीचे दिए शब्दों को समान अर्थ वाले शब्दों के सामने लिखिए–

परेशान, खूबसूरत, वर, साथ, दुलहन, शादी

(क) दुखी .... (ख) ब्याह .... (ग) संग ....

(घ) वधू .... (ङ) दूल्हा .... (च) सुंदर ....

कविता से आगे

- **कौन-सी सब्ज़ियाँ हैं लिखिए–**

(क) ज़मीन के नीचे रहती हैं।

....

(ख) हरी पत्तेदार सब्ज़ियाँ हैं।

....

(ग) बेलों पर रहती हैं।

....

- **आलू सब्ज़ियों का राजा है। वह बच्चों को बहुत अच्छा लगता है। आपको आलू से बनी कौन-कौन सी चीज़ें पसंद हैं? लिखिए–**

....

....

- **आलू, बैंगन और घीया को सब्ज़ी कहते हैं। इन्हें क्या कहेंगे–**

(क) आम, अनार, केला, चीकू – ....

(ख) तोता, मैना, मोर, कौआ – ....

(ग) शेर, चीता, हाथी, भालू – ....

(घ) मक्खी, मच्छर, टिड्डा – ....

(ङ.) मूंग, चना, मसूर, अरहर – ....

(च) चावल, गेहूँ – ....

नन्हे हाथों से

• चित्र को देखकर लिखिए कि सब्जीवाले के पास कौन-सी सब्जियाँ हैं–

....

....

....

....

....

• वर्ग पहेली से फलों के नाम ढूँढ़कर लिखिए–

.......अनार.......

....

....

....

....

....

....

अ	न	न्ना	स
ना	सं	त	रा
र	जा	मु	न
के	ब	से	ब
ला	अं	गू	र

कुछ करने को

• किसका राजा कौन है? अध्यापिका की सहायता से जानकारी प्राप्त करके लिखिए–

फलों का राजा .... पक्षियों का राजा ....

सब्ज़ियों का राजा .... पशुओं का राजा ....

• सब्ज़ियाँ खाना स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है। अपनी पसंद की किन्हीं दो सब्ज़ियों के चित्र बनाकर उनके नाम लिखिए–

आप क्या करेंगे

- **यदि आप काफ़ी कमजोर हो, और डॉक्टर आपको हरी सब्ज़ियाँ खाने को कहे तो–**

(क) डॉक्टर का कहना नहीं मानेंगे। ☐

(ख) मम्मी के डाँटने पर ही खाएँगे। ☐

(ग) खुशी से खाना शुरू कर देंगे। ☐

- **यदि आपके दाँत चॉकलेट और टॉफियाँ खाने से खराब हो रहे हों। यह देखकर माता-पिता इन्हें खाने से मना करें तो–**

(क) चोरी-चुपके से खाने लगेंगे। ☐

(ख) इन्हें खाने की ज़िद करेंगे। ☐

(ग) माता-पिता की बात मान लेंगे। ☐

7 हरा घोड़ा

(केवल पढ़ने के लिए)

एक दिन सुबह–ही–सुबह अकबर बीरबल के साथ शाही बाग में घूम रहे थे। चारों ओर हरे–भरे वृक्ष और हरी–हरी घास देखकर अकबर बहुत प्रसन्न थे। अचानक उनके मन में बीरबल की परीक्षा लेने का विचार आया।

उन्होंने बीरबल से कहा,"मुझे सैर करने के लिए हरे रंग का घोड़ा चाहिए। यदि तुमने सात दिन के अंदर हरा घोड़ा लाकर नहीं दिया तो मुझे अपना मुँह मत दिखाना।"

बीरबल सोच में पड़ गए। वे समझ गए कि राजा ने उसकी परीक्षा लेने के लिए ही ऐसी कठिन शर्त रखी है। बीरबल अपनी चतुराई के लिए प्रसिद्ध तो थे ही। वे छह दिन तक हरे रंग के घोड़े की खोज के बहाने इधर–उधर घूमते रहे। सातवें दिन बीरबल दरबार में हाज़िर हुए और बादशाह से बोले,"महाराज! हरे रंग का घोड़ा मिलना लगभग असंभव था पर मैंने उसे खोज लिया है।" अब अकबर आश्चर्य में पड़ गए। हरे रंग का घोड़ा कैसे मिल सकता है? ज़रूर बीरबल ने घोड़े पर हरा रंग पुतवा दिया होगा। आज बीरबल अवश्य फँस जाएगा। यह सोचकर अकबर ने कहा,"ठीक है, तो उसे सामने लाओ।"

बीरबल बोले, "महाराज! उस घोड़े का मालिक बहुत सिरफ़िरा है। उसने घोड़े को देने के लिए दो शर्तें रखी हैं।" अकबर ने पूछा, "क्या शर्तें रखी हैं?

बीरबल, "पहली शर्त यह है कि जिसे हरा घोड़ा लेने की इच्छा हो, घोड़ा उसी को जाकर लाना होगा।"

अकबर, "यह तो बहुत आसान शर्त है। अच्छा! दूसरी शर्त बताओ।"

बीरबल, "चूँकि घोड़ा खास रंग का है इसलिए उसे लाने का दिन भी खास ही होना चाहिए। इसके लिए उसके मालिक ने कहा है कि सप्ताह के सात दिनों के अलावा किसी भी दिन आकर उसे ले जाना।"

अकबर बीरबल का मुँह देखते रह गए। उनसे कुछ कहते न बना।

बीरबल ने कहा, "महाराज! यदि आपको हरे रंग का घोड़ा चाहिए तो उसके सिरफ़िरे मालिक की शर्तें तो माननी ही पड़ेंगी।"

अकबर अपनी हँसी को रोक नहीं सके। उन्हें बीरबल की चतुराई पर बहुत प्रसन्नता हुई। वे समझ गए कि बीरबल को मूर्ख बनाना संभव नहीं है। बीरबल को उसकी चतुराई के लिए अकबर ने सौ स्वर्ण मुद्राएँ इनाम में दीं।

8 मसूरी की यात्रा

21, मॉडल बस्ती
दिल्ली-5
दिनांक-30 जुलाई, 20.......
प्रिय मित्र अंशुल
स्नेह!

मैं गरमी की छुट्टियों में मसूरी घूमने गया था। वहाँ का रमणीक वातावरण मुझे बहुत अच्छा लगा। मसूरी एक पर्यटक स्थल है। यह हिमालय की शिवालिक श्रेणी में आता है। इसलिए इसे 'पर्वतों की रानी' भी कहा जाता है।

मैं विद्यालय की ओर से मसूरी गया था। वहाँ सभी बच्चों ने बहुत मज़े किए। ठंडी-ठंडी हवाओं ने हमारा मन मोह लिया। मसूरी में कैंपटी फॉल और भट्टा फॉल नामक झरने हैं जो वहाँ के मुख्य आकर्षण हैं। झर-झर करते झरने पिघली हुई चाँदी के समान सुंदर लगते हैं। बच्चों के मनोरंजन के लिए वहाँ कंपनी बाग और अप्पू घर हैं। मसूरी में एक स्केटिंग रिंग भी है। स्केटिंग के शौकीन लोगों को बर्फ़ पर स्केटिंग करने में बहुत आनंद आता है। हम ट्रॉली में बैठकर गनहिल तक गए। पहाड़ों के बीच चलती ट्रॉली में बैठना बड़ा रोमांचकारी था। दूर-दूर तक बर्फ़ से ढके पर्वत बड़े ही मनमोहक लग रहे थे।

मसूरी की सुंदरता का वर्णन शब्दों में करना संभव नहीं है। तुम भी एक बार मसूरी अवश्य जाना। मेरी तरफ़ से अंकल-आंटी को प्रणाम और शुभम को प्यार!

तुम्हारा मित्र
शौकत अली

शिक्षण संकेत

- बच्चों से उनकी मनपसंद जगहों के बारे में पूछें।
- बच्चों को अपनी बात पत्र के माध्यम से लिखने को प्रेरित करें।

शब्दार्थ

प्रिय	– प्यारा	रमणीक	– मनोहर	आकर्षण	– खिंचाव
मनोरंजन	– मन को बहलाना	स्केटिंग	– बर्फ़ पर फिसलना	शौकीन	– शौक रखने वाला
आनंद	– खुशी	मनमोहक	– मन को मोहने वाला		

इन्हें ऐसे भी लिख सकते हैं–

गर्मी – गरमी छुट्टियों – छुट्टियों भट्टा – भट्टा

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

यात्रा छुट्टियाँ आकर्षण स्केटिंग शौकीन

2. सोचकर बताइए–

(क) गरमी की छुट्टियों में शौकत कहाँ घूमने गया था?

(ख) मसूरी को 'पर्वतों की रानी' क्यों कहा जाता है?

(ग) मसूरी में स्केटिंग रिंग में लोग क्या करते हैं?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) शौकत ने पत्र कहाँ से और किसे लिखा?

....

(ख) मसूरी को क्या कहा जाता है?

....

(ग) मसूरी का मुख्य आकर्षण क्या है?

....

2. वाक्यों के सामने (✓) अथवा (✗) का चिह्न लगाइए–

(क) झर-झर करते झरने पिघली हुई चाँदी के समान सुंदर लगते हैं। ☐

(ख) शौकत अकेला ही मसूरी गया था। ☐

(ग) मसूरी में दूर-दूर तक बर्फ़ से ढके पहाड़ बड़े ही मनमोहक लगते हैं। ☐

3. सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

(क) शौकत .... के मौसम में घूमने गया।

(*i*) गरमी ☐ (*ii*) सरदी ☐ (*iii*) बरसात ☐

(ख) शौकत .... घूमने गया था।

(*i*) नैनीताल ☐ (*ii*) मसूरी ☐ (*iii*) मनाली ☐

भाषा ज्ञान

1. चित्रों को देखकर शब्दों में (ँ) की मात्रा लगाकर, उन्हें पूरा कीजिए–

(क) चाँदी

(ख) साप

(ग) ऊट

(घ) बासुरी

(ङ) आख

(च) 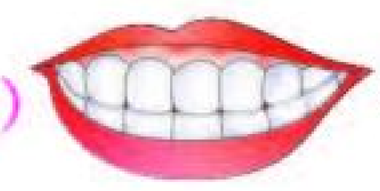 दात

2. चित्र देखकर वाक्य पूरे कीजिए–

(क) यह ....फूल........ है। 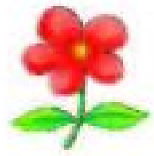

(ख) यह .... है।

(ग) यह .... है।

(घ) यह .... है।

(ङ) यह .... है।

(च) यह .... है।

3. पढ़िए, समझिए और लिखिए–

	क
र	क्षा

	....
छ	त्र

आ	
ज्ञा	....

	....
....	क्ष

	....
....	क्षा

	....
....	क्षी

4. चित्र और शब्दों को जोड़कर नए शब्द बनाइए–

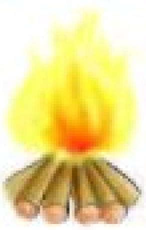 + रा = ...आगरा....

व + = ...

म + = ...

+ वाई = ...

उप + = ...

२ + पहर = ...

रसोई + = ...

+ ब = ...

समा + ४ = ...

इक + = ...

नन्हे हाथों से

- चित्र को देखकर कुछ वाक्य लिखिए–

....

....

....

....

....

....

कुछ करने को

- पत्र को पढ़कर आपको बहुत-सी जानकारी प्राप्त हुई होगी। आप भी अध्यापिका तथा पुस्तकों की सहायता से अन्य पर्वतीय स्थलों की जानकारी प्राप्त करके अपने मित्र को पत्र लिखिए।

आप क्या करेंगे

- **यदि आपको विद्यालय की ओर से चिड़ियाघर ले जाएँ तो–**

(क) अध्यापक के निर्देशों का पालन करते हुए देखेंगे। ☐

(ख) मनमानी करते हुए इधर-उधर घूमेंगे। ☐

(ग) जानवरों को खाने की वस्तुएँ देंगे। ☐

- **प्रार्थना सभा से कक्षा में जाते समय–**

(क) शांतिपूर्वक पंक्ति में चलेंगे। ☐

(ख) शोर करते हुए पंक्ति में चलेंगे। ☐

(ग) भागकर सबसे पहले कक्षा में चले जाएँगे। ☐

9 शास्त्री जी

श्री लाल बहादुर शास्त्री हमारे देश के दूसरे प्रधानमंत्री थे। उनका जन्म 2 अक्टूबर, 1904 को मुगलसराय (उत्तर प्रदेश) में हुआ था। उनके पिता का नाम शारदा प्रसाद श्रीवास्तव एवं माता का नाम रामदुलारी था। उनका बचपन बहुत अभावों में बीता। जब वे बहुत छोटे थे तभी उनके पिता का स्वर्गवास हो गया। कठिन परिस्थितियों ने उन्हें निडर, दृढ़निश्चयी व सच्चा देशभक्त बना दिया। देश को आज़ाद कराने के लिए वे कई वर्षों तक जेल में रहे। जेल में रहते हुए भी वे कभी अंग्रेज़ों के सामने नहीं झुके।

एक बार शास्त्री जी नैनी जेल में थे। उनके घर से समाचार आया कि उनकी पुत्री बहुत बीमार है। सभी ने शास्त्री जी से कहा कि अगर वे पुत्री की बीमारी के बारे में लिखकर दे दें तो उन्हें जेल से सशर्त कारामुक्ति मिल जाएगी। परंतु वे नहीं माने। उन्होंने कहा, "मैं देश की आज़ादी के लिए जेल आया हूँ, अगर मैं अपनी पुत्री से मिलने चला जाऊँगा तो देश को क्या मुँह दिखाऊँगा?"

शिक्षण संकेत

- साधारण परिवार में जन्मे लाल बहादुर शास्त्री अपने उच्च आदर्शों के कारण देश के प्रधानमंत्री बनें। बच्चों को उनके आदर्शों से परिचित करवाएँ और उनके जीवन से प्रेरणा लेने की सीख दें।

अंग्रेज़ सरकार को शास्त्री जी के सामने झुकना पड़ा तथा बिना किसी लिखित अनुमति के उन्हें घर जाने दिया गया। शास्त्री जी घर पर पहुँचे तो उन्हें देखते ही सब चुप हो गए। तब उन्हें पता चला कि उनकी बेटी की मृत्यु हो गई है। शास्त्री जी की आँखों में आँसू आ गए परन्तु उन्होंने दिल पर पत्थर रख लिया और बेटी के अंतिम-संस्कार के पश्चात पुनः देश-सेवा में लग गए।

शब्दार्थ

देशभक्त – देश के लिए सब कुछ न्योछावर करने को तत्पर व्यक्ति
आज़ाद – स्वतंत्र
पुत्री – बेटी
सशर्त कारामुक्ति – कुछ समय के लिए शर्तों के साथ जेल से बाहर जाने की अनुमति
अनुमति – इजाजत
मृत्यु – देहांत

इन्हें ऐसे भी लिख सकते हैं–

प्रसिद्ध – प्रसिद्ध छुट्टी – छुट्टी परंतु – परन्तु

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

प्रधानमंत्री मुगलसराय स्वर्गवास अंतिम-संस्कार

2. सोचकर बताइए–

(क) शास्त्री जी के माता-पिता का क्या नाम था?

(ख) शास्त्री जी का बचपन किस प्रकार गुजरा?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) शास्त्री जी का जन्म कब हुआ था?

....

(ख) शास्त्री जी के घर से क्या समाचार आया था?

....

(ग) शास्त्री जी ने अंग्रेज़ों को पत्र क्यों नहीं लिखा?

....

(घ) घर पहुँचने पर शास्त्री जी को क्या पता चला?

....

2. सही उत्तर पर (✓) लगाइए–

(क) शास्त्री जी किस जेल में थे?

(*i*) मैनी ☐ (*ii*) नैनी ☐ (*iii*) फैनी ☐

(ख) शास्त्री जी के घर में कौन बीमार था?

(*i*) पुत्री ☐ (*ii*) पुत्र ☐ (*iii*) पत्नी ☐

(ग) शास्त्री जी भारत के कौन-से प्रधानमंत्री थे?

(*i*) पहले ☐ (*ii*) दूसरे ☐ (*iii*) तीसरे ☐

3. वाक्यों के सामने (✓) अथवा (✗) का चिह्न लगाइए–

(क) शास्त्री जी जीवनभर देशभक्ति की राह पर चलते रहे। ☐

(ख) अंग्रेज़ों ने शास्त्री जी को घर नहीं जाने दिया। ☐

(ग) शास्त्री जी के पुत्र की मृत्यु हो गई थी। ☐

भाषा ज्ञान

1. नीचे दिए शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए–

बेटी – ......बेटा...... शेर – ....

माता – .... हाथी – ....

बहन – .... चूहा – ....

स्त्री या पुरुष की पहचान कराने वाले शब्दों को **लिंग** कहते हैं।

2. लिंग के आधार पर सही क्रिया शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए–

(क) रोहन शोर .... है। (मचाती / मचाता)

(ख) सीता गाना .... है। (गाता / गाती)

(ग) दादा जी .... हैं। (हँसते / हँसती)

(घ) राजा शिकार पर .... है। (जाती / जाता)

3. अशुद्ध शब्दों पर ◯ लगाइए–

बीमार – बिमार आज़ाद – आजद पुत्रि – पुत्री

झूकना – झुकना फर्ज़ – फरज मुँह – मुहँ

4. नीचे दिए शब्दों में 'ई' जोड़कर नए शब्द बनाइए–

आज़ाद + ई = ...आज़ादी............ जंगल + ई = ...

पुत्र + ई = ... गरम + ई = ...

प्यार + ई = ... दुलार + ई = ...

प्रसंग से आगे

- यदि शास्त्री जी जेल से सशर्त कारामुक्ति लेकर पुत्री से मिलने चले जाते तो क्या होता?
- आज देश स्वतंत्र है। आप देश के लिए ऐसा क्या करना चाहेंगे जो देश की उन्नति व विकास में सहायक हो।

नन्हे हाथों से

- **चित्रों में दिखाए गए प्रसिद्ध नेताओं को पहचानकर उनके नाम लिखिए–**

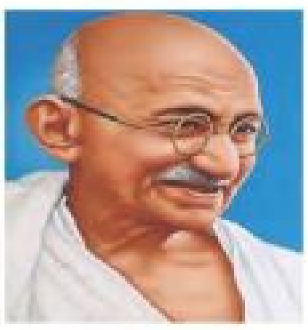

....

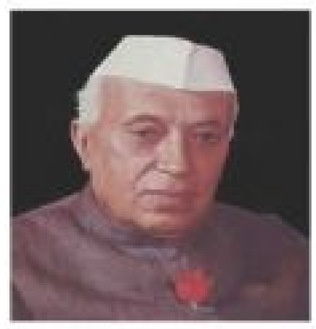

....

....

....

कुछ करने को

- भारत अंग्रेज़ों का गुलाम था। देश को स्वतंत्र कराते समय नेताओं के साथ अनेक घटनाएँ घटीं। अध्यापक/अध्यापिका की सहायता से ऐसी घटनाओं के बारे में जानकारी एकत्रित कीजिए।

आप क्या करेंगे

- **यदि आपको अपने बारे में कुछ वाक्य बोलने के लिए मंच पर बुलाया जाए तो–**

(क) मना कर देंगे। ☐

(ख) खुशी से अपने बारे में बताएँगे। ☐

(ग) इधर-उधर देखने लगेंगे। ☐

- **यदि आपके विद्यालय के समारोह में कोई प्रसिद्ध व्यक्ति आए तो–**

(क) उनका ऑटोग्राफ़ लेने दौड़ पड़ेंगे। ☐

(ख) उनसे हाथ मिलाना व उनके साथ फोटो खिंचवाना चाहेंगे। ☐

(ग) उनके विचारों को ध्यान से सुनेंगे। ☐

10 आइसक्रीम

कक्षा में मेज़ पर आइसक्रीम के कुछ चित्र रखे हुए हैं। अध्यापिका कक्षा से बाहर हैं और बच्चे उन चित्रों को उलट-पलटकर देख रहे हैं। अध्यापिका के आते ही सारे बच्चे भागकर अपनी-अपनी सीट पर चले जाते हैं।

निशु – लगता है, आज अध्यापिका जी आइसक्रीम न खाने की सलाह देने वाली हैं।

डेविड – मैं तो आइसक्रीम खाना नहीं छोड़ सकता।

(खुसर-फुसर सुनकर अध्यापिका बच्चों को शांत करते हुए)

अध्यापिका – बच्चो! चित्रों को देखकर आप जान गए होंगे कि आज किस विषय पर चर्चा होगी?

सभी बच्चे – आइसक्रीम पर।

अध्यापिका – बिलकुल सही। अब यह बताओ, किस-किसको आइसक्रीम खानी अच्छी लगती है?

(सभी बच्चे हाथ ऊपर उठाते हैं।)

शिक्षण संकेत

- बच्चों से उनकी मनपसंद खाने की चीज़ों के नाम पूछें।
- आइसक्रीम में कौन-कौन सा फ्लेवर बच्चों को पसंद है? बच्चे कब-कब आइसक्रीम खाना ज़्यादा पसंद करते हैं? आदि प्रश्न पूछें।
- ज़्यादा आइसक्रीम खाने से होने वाले नुकसान के बारे में बच्चों को अवश्य बताएँ।

अध्यापिका– इसका अर्थ यह हुआ कि सभी बच्चों ने कभी-न-कभी आइसक्रीम अवश्य खाई है। क्या कोई बता सकता है कि सबसे अच्छी आइसक्रीम कौन-सी होती है?

सभी बच्चे – *(एक के बाद एक)* वनीला, स्ट्रॉबेरी, मैंगो, चॉकलेटी, मिल्की, फ्रूट आइसक्रीम, बटर-स्कॉच, कसाटा....।

अध्यापिका– अरे! मैंने तो सबसे अच्छी आइसक्रीम के बारे में पूछा था।

रोहन – मैडम, यह कैसे बता सकते हैं कि कौन-सी आइसक्रीम सबसे अच्छी है? किसी को कोई स्वाद पसंद है तो किसी को कोई।

अध्यापिका– बिलकुल सही! आइसक्रीम अनेक स्वादों में मिलती है, यह तो आप जानते ही हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि आइसक्रीम सबसे पहले कहाँ बनी थी? *(सब बच्चे चुप)*

अध्यापिका– *(मुसकराते हुए)* चलो, मैं बताती हूँ। आइसक्रीम सबसे पहले चीन में बनी थी। वह भी बहुत पहले जब फ्रीज नहीं होते थे।

विट्ठल – मैडम! उन्होंने आइसक्रीम को कैसे जमाया होगा?

अध्यापिका– पहले किसी विशेष पात्र के चारों ओर बर्फ़ और नमक लगाकर उसमें आइसक्रीम का घोल डाला जाता था। फिर उसे जमी हुई झील या तालाब में जमने के लिए रख दिया जाता था। जब वह घोल जम जाता तो उसे उसी समय खा लिया जाता था। बच्चो! क्या आप बता सकते हैं कि यह चीन से पूरे संसार में कैसे पहुँची?

(सब बच्चे फिर से चुप)

अध्यापिका– चीन से आइसक्रीम बनाने का विचार लेकर मार्कोपोलो इटली

(यूरोप) आया था। सन 1672 में सबसे पहले इंग्लैंड के राजा किंग चार्ल्स द्‌वितीय के **भोज** में विशिष्ट लोगों को आइसक्रीम परोसी गई। सन 1718 में इसे बनाने की विधि एक अंग्रेज़ी पुस्तक में छपी थी। आज आइसक्रीम घर में भी बनाई जा सकती है।

विभा – हाँ! मेरी मम्मी बहुत अच्छी आइसक्रीम बनाती हैं।

अध्यापिका– क्या तुम जानती हो कि आइसक्रीम कैसे बनती है?

विभा – हाँ! पहले मम्मी दूध गरम करती हैं, उसमें चीनी डालती हैं और

आइसक्रीम पाउडर मिलाती हैं। फिर जमाने के लिए फ्रिजर में रख देती हैं।

डेविड – यह तो बहुत आसान है। अब तो मैं भी इसे बना सकता हूँ।

अध्यापिका – इतना भी आसान नहीं है। चीज़ों को सही मात्रा में मिलाना भी आवश्यक है। यह तो आप सब जानते ही होंगे कि आइसक्रीम ज़्यादा नहीं खानी चाहिए। अधिक मात्रा में खाई गई आइसक्रीम दाँतों और गले को खराब कर हमें बीमार कर सकती है।

सभी बच्चे – ठीक है मैडम, आज से हम कम आइसक्रीम खाएँगे पर खाएँगे ज़रूर। *(सब बच्चे हँसते हैं।)*

शब्दार्थ

सलाह – राय, परामर्श **चर्चा** – वार्तालाप **स्वाद** – ज़ायका **भोज** – दावत

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

अच्छी स्वाद विषय व्यवस्था आइसक्रीम

2. सोचकर बताइए–

(क) आइसक्रीम किन-किन स्वादों में मिलती है?

(ख) जब फ्रीज नहीं थे तो आइसक्रीम को कैसे जमाया जाता था?

(ग) सबसे पहले किसके भोज में आइसक्रीम परोसी गई?

लिखित

1. **नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

(क) सबसे पहले आइसक्रीम कहाँ बनी थी?

....

(ख) इटली में आइसक्रीम बनाने का विचार कौन लाया?

....

(ग) ज़्यादा आइसक्रीम क्यों नहीं खानी चाहिए?

....

2. **सही उत्तर पर (✓) लगाइए–**

(क) इनमें से कौन-सी चीज़ सब बच्चे पसंद करते हैं?

(*i*) सब्ज़ी ☐ (*ii*) बरफी ☐ (*iii*) आइसक्रीम ☐

(ख) पहले आइसक्रीम को किसमें जमाया जाता था?

(*i*) झील या तालाब में ☐ (*ii*) ओवन में ☐ (*iii*) फ्रीजर में ☐

(ग) किंग चार्ल्स कहाँ के राजा थे?

(*i*) यूरोप के ☐ (*ii*) इंग्लैंड के ☐ (*iii*) इटली के ☐

3. **किसने कहा–**

(क) "मैं तो आइसक्रीम खाना नहीं छोड़ सकता।"

(*i*) डेविड ☐ (*ii*) रोहन ☐ (*iii*) निशु ☐

(ख) "उन्होंने आइसक्रीम को कैसे जमाया होगा?"

(*i*) विभा ☐ (*ii*) विट्ठल ☐ (*iii*) डेविड ☐

(ग) "हाँ! मेरी मम्मी बहुत अच्छी आइसक्रीम बनाती हैं।"

(*i*) विट्ठल ☐ (*ii*) डेविड ☐ (*iii*) विभा ☐

भाषा ज्ञान

1. नीचे दिए शब्दों के विलोम (उलटे) शब्द लिखिए–

आज – .... अच्छी – .... गरम – ....

अंदर – .... आसान – .... मीठा – ....

2. चित्र देखकर इसके लिए एक शब्द और लिखिए–

आलय .... पुस्तक ....

बालक .... माँ ....

3. सर्वनाम शब्द भरकर वाक्य पूरे कीजिए–

(क) .... आइसक्रीम बहुत अच्छी लगती है।

(ख) .... माँ बहुत अच्छी आइसक्रीम बनाती है।

(ग) .... दौड़कर आइसक्रीम ले आया।

(घ) .... हाथ से आइसक्रीम छूट गई।

वह
उसके
मेरी
मुझे

एकांकी से आगे

- यदि बच्चों के आइसक्रीम खाने पर रोक लगा दी जाए तो क्या होगा?
- पाठ में आपने आइसक्रीम के स्वादों के बारे में पढ़ा। अब इनके स्वाद बताइए–

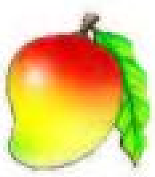 मीठा .... 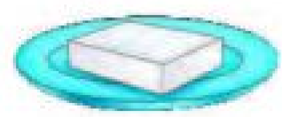 ....

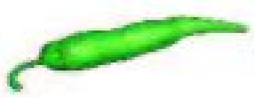 .... 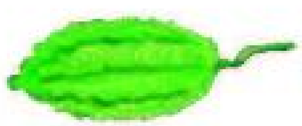 .... 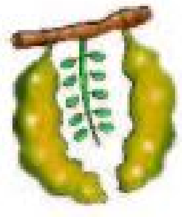 ....

नन्हे हाथों से

- चित्र को देखकर कुछ वाक्य लिखिए–

....

....

....

....

....

कुछ करने को

- विभिन्न प्रकार की आइसक्रीमों के चित्र फाइल में लगाकर उनके बारे में कुछ मुख्य बातें लिखिए।
- अध्यापिका की सहायता से कम आइसक्रीम खाने की सलाह देनेवाला एक नाटक तैयार कर उसका मंचन कीजिए।

आप क्या करेंगे

- **यदि आपको स्टोर में बेरोक-टोक आइसक्रीम खाने के लिए छोड़ दिया जाए तो–**

(क) सभी आइसक्रीमों का स्वाद चखकर देखेंगे। ☐

(ख) केवल अपनी मनपसंद आइसक्रीम ही खाएँगे। ☐

(ग) कोई भी आइसक्रीम नहीं खाएँगे। ☐

- **यदि आपके जन्मदिन पर आपकी माता जी ने ढेर सारी खाने की चीज़ें आपके बस्ते में रखी हों तो–**

(क) कक्षा में सभी बच्चों के साथ मिल-बाँटकर खाएँगे। ☐

(ख) केवल उन्हीं बच्चों को देंगे जो आपको अपनी चीज़ें देते हैं। ☐

(ग) सब कुछ अकेले ही खा जाएँगे। ☐

11 घमंडी हवा

(केवल पढ़ने के लिए)

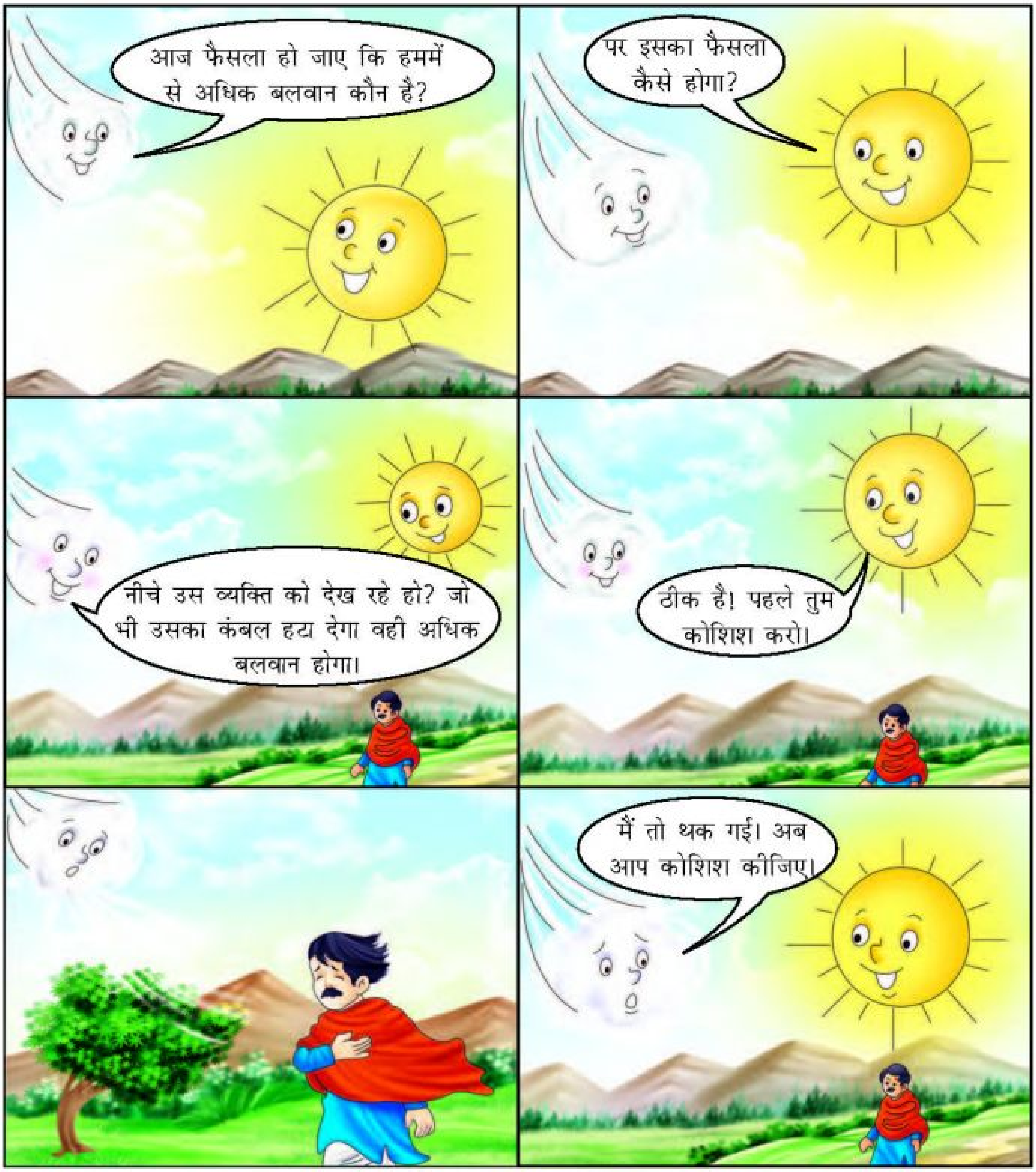

शिक्षण संकेत

- बच्चों को समझाएँ कि कभी भी घमंड नहीं करना चाहिए और किसी को भी अपने से कम नहीं समझना चाहिए।
- हवा और सूरज के बिना हमें किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है, इससे संबंधित प्रश्न पूछें और हवा तथा सूरज का हमारे जीवन में क्या महत्त्व है, यह भी बताएँ।

12

कौन

अगर न होता चाँद, रात में
हमको दिशा दिखाता कौन?
अगर न होता सूरज, दिन को
सोने-सा चमकाता कौन?

अगर न होतीं निर्मल नदियाँ,
जग की प्यास बुझाता कौन?
अगर न होते पर्वत, मीठे
झरने भला बहाता कौन?

अगर न होते पेड़, भला फिर
हरियाली फैलाता कौन?
अगर न होते फूल, बताओ
खिल-खिलकर मुसकाता कौन?

अगर न होते बादल, नभ में
इंद्रधनुष रच पाता कौन?
अगर न होते हम, तो बोलो
ये सब प्रश्न उठाता कौन?

—बालस्वरूप राही

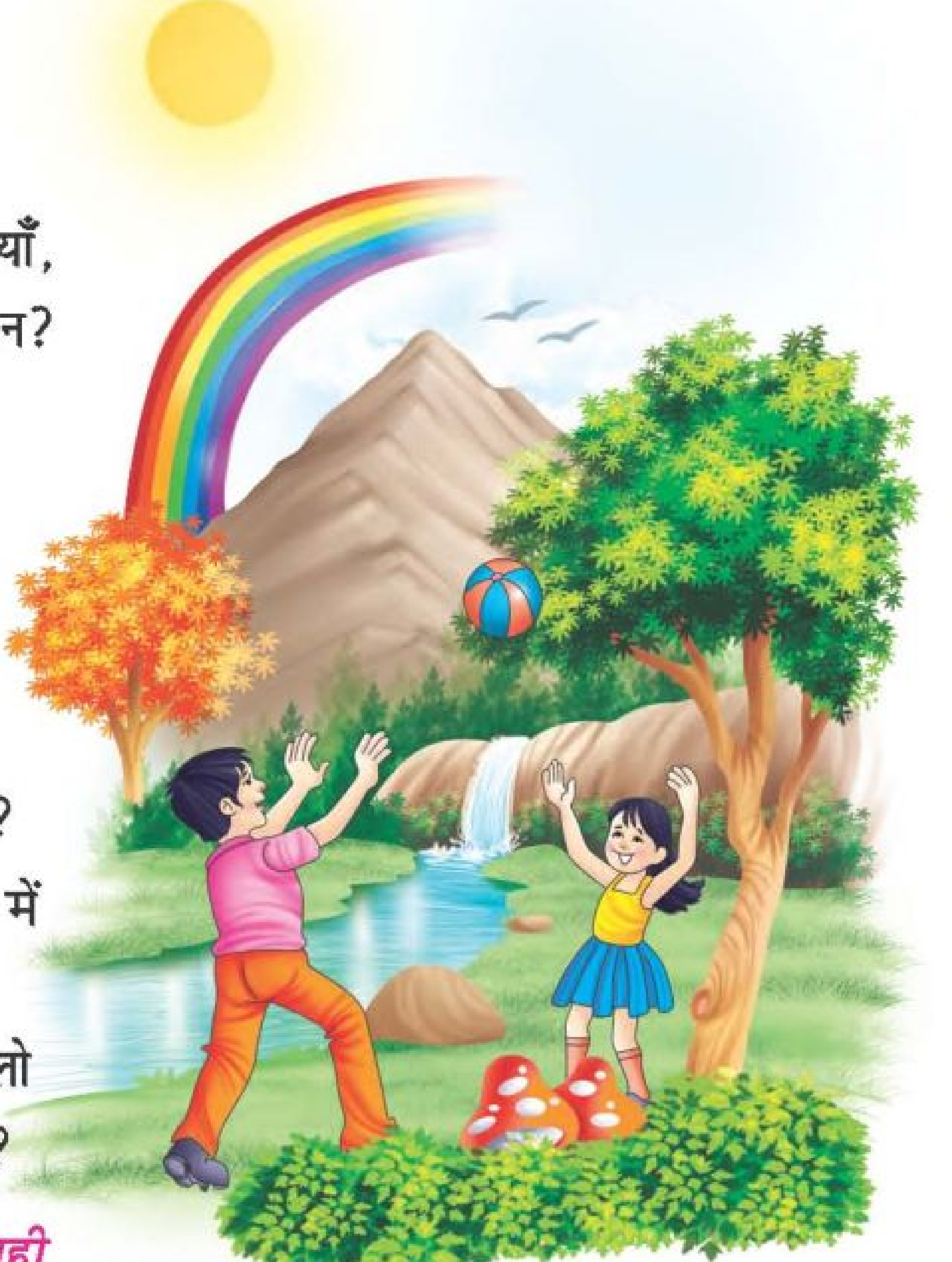

शिक्षण संकेत

- बच्चों से कविता का समूहगान करवाएँ एवं प्रकृति से संबंधित प्रश्न पूछें।
- सूरज, चाँद, पर्वत, नदी और पेड़ों से हमें क्या-क्या प्राप्त होता है? इसके बारे में बच्चों को बताएँ।

शब्दार्थ

निर्मल – साफ़, स्वच्छ
पर्वत – पहाड़
फूल – पुष्प
नभ – आकाश, आसमान
प्रश्न – सवाल
हरियाली –हरे-भरे पेड़-पौधे, घास आदि।

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

चाँद निर्मल पर्वत मुसकाना इंद्रधनुष

2. सोचकर बताइए–

(क) जग की प्यास कौन बुझाता है?

(ख) हरियाली कौन फैलाता है?

(ग) इंद्रधनुष कौन बनाता है?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) रात में हमें दिशा कौन दिखलाता है?

....

(ख) झरने कहाँ से निकलते हैं?

....

(ग) फूल हमें क्या सिखाते हैं?

....

(घ) इंद्रधनुष कहाँ बनता है?

....

2. नीची दी गई कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

(क) अगर न .... रात में

.... कौन?

(ख) अगर न .... नदियाँ

.... कौन?

(ग) अगर न .... में

.... कौन?

3. प्रकृति ने हमें क्या-क्या प्रदान किया है? सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) चाँद-सूरज ☐	(ख) नदियाँ ☐	(ग) पुस्तकें ☐
(घ) पेड़-पौधे ☐	(ङ) खिलौने ☐	(च) आकाश ☐

भाषा ज्ञान

1. नीचे दिए शब्दों को समानार्थक शब्दों से मिलाइए–

चाँद	सूर्य, दिनकर
सूरज	पहाड़, गिरि
नदी	वट, वृक्ष
पर्वत	शशि, मयंक
पेड़	गगन, आसमान
नभ	सरिता, तटिनी

2. नीचे दिए शब्दों से वाक्य बनाइए–

सूरज – ....

निर्मल – ....

इंद्रधनुष – ....

3. एक से अनेक बनाइए–

नदी – नदियाँ

झरना – ....

दिशा – ....

फूल – ....

पेड़ – ....

बच्चा – ....

4. नीचे दिए चित्रों को देखकर क्रिया शब्दों पर ◯ लगाइए–

(क)

राम पत्र लिख रहा है।

(ख)

राघव गेंद से खेल रहा है।

(ग)

छवि खाना खाती है।

(घ)

पंकज पुस्तक पढ़ता है।

(ङ)

साक्षी पानी पीती है।

(च)

माँ कपड़े धोती है।

कौन

कविता से आगे

- हमारा जीवन पेड़ों पर निर्भर है। पेड़ हमें क्या-क्या देते हैं?
- यदि सूरज, चाँद, नदी, पर्वत और बादल न होते तो क्या होता?

नन्हे हाथों से

- **चित्र में जो गलत है उस पर (✗) लगाइए और उसके बारे में लिखिए–**

....

....

....

....

....

- चित्र को देखकर दिए गए शब्दों से वाक्यों के रिक्त स्थान भरिए–

दवाइयाँ, लकड़ियाँ, तना, पेड़, छाया

(क) यह एक .... है।

(ख) नीम का पेड़ .... बनाने के काम आता है।

(ग) पेड़ों से हमें .... प्राप्त होती हैं।

(घ) हरे–भरे पेड़ गरमी में .... देते हैं।

(ङ) पेड़ का .... मोटा होता है।

आप क्या करेंगे

- यदि आप कहीं जा रहे हों और तेज़ वर्षा होने लगे तो–

(क) भीगने से बचने के लिए भी किसी पेड़ की ओट में खड़े हो जाएँगे। ☐

(ख) घर की ओर दौड़ पड़ेंगे। ☐

(ग) घर जाने के लिए रिक्शा या ऑटोरिक्शा ढूँढ़ेंगे। ☐

- यदि आप वर्षा से बचने के लिए छाता खोले हुए खड़े हों और आपके सामने आपकी कक्षा का छात्र भीग रहा हो तो–

(क) उसे भीगता हुआ देखकर हँसेंगे। ☐

(ख) उसे अपने छाते के नीचे आने के लिए कहेंगे। ☐

(ग) उसे देखकर भी अनदेखा कर देंगे। ☐

कौन

13 रक्षाबंधन

आज नन्ही शैली बहुत खुश थी। वह सुबह जल्दी उठकर तैयार हो गई। उसे अपने भाइयों के उठने का इंतज़ार था। दोनों भाई भी नहा-धोकर तैयार हो गए। शैली ने मुसकराते हुए राखियाँ निकालीं। राखियाँ देखने में बहुत सुंदर थीं।

शैली ने पहले बड़े भाई रुपेश को तिलक लगाया और राखी बाँधी। फिर बरफी खिलाकर मुँह मीठा करवाया। रुपेश ने शैली को प्यार किया और खुश रहने का आशीर्वाद दिया।

अब शैली ने विपुल भैया को तिलक लगाकर राखी बाँधी। जब वह उसे बरफी खिला रही थी तो उसका चचेरा भाई मृदुल भी आ गया। उसने अपना

शिक्षण संकेत

- रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक है। बच्चों से पूछें कि वे इस त्योहार को कैसे मनाते हैं?
- इस त्योहार से जुड़ी कथाओं के बारे में बच्चों को जानकारी दें।
- बच्चों को रक्षाबंधन के त्योहार का महत्त्व समझाएँ।

हाथ आगे बढ़ाते हुए कहा, "अब मेरी बारी है।" शैली ने उसे भी राखी बाँधकर मुँह मीठा करवाया।

राखी बँधवाकर बड़े भैया रुपेश ने उसे 'वीडियो गेम', विपुल ने 'ड्राइंग बुक' तथा मृदुल ने 'कलर बॉक्स' दिया। उपहार लेकर शैली बहुत खुश थी।

उसकी मम्मी ने उसे बताया कि राखी को रक्षाबंधन का त्योहार भी कहते हैं। इस दिन बहनें भाइयों की कलाई पर राखी बाँधकर उनके मंगल की कामना

करती हैं तथा भाई जीवनभर बहन की रक्षा करने का वचन देते हैं। राखी का यह त्योहार वर्षों से इसी प्रकार मनाया जाता रहा है।

शैली मन-ही-मन मुसकरा रही थी और सोच रही थी कि भाई-बहन के प्यार का यह त्योहार कितना अनोखा है।

शब्दार्थ

इंतज़ार	–	प्रतीक्षा	उपहार	–	तोहफ़ा, भेंट	त्योहार	–	पर्व
मंगल	–	शुभ, कल्याण	कामना	–	अभिलाषा			

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

तैयार त्योहार राखियाँ आशीर्वाद रक्षाबंधन

2. सोचकर बताइए–

(क) शैली जल्दी उठकर क्यों तैयार हो गई थी?

(ख) रक्षाबंधन के दिन भाई क्या करते हैं?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) शैली किनके उठने का इंतज़ार कर रही थी?

....

(ख) शैली ने क्या खिलाकर भाइयों का मुँह मीठा करवाया?

....

(ग) रक्षाबंधन के अवसर पर भाई क्या वचन देते हैं?

....

2. सही उत्तर पर (✓) लगाइए–

(क) रक्षाबंधन के अवसर पर बहनें भाइयों को क्या बाँधती हैं?

(*i*) बैंड ☐ (*ii*) राखी ☐ (*iii*) घड़ी ☐

(ख) शैली ने सबसे पहले किसे राखी बाँधी?

(*i*) मृदुल को ☐ (*ii*) रुपेश को ☐ (*iii*) विपुल को ☐

(ग) मृदुल ने शैली को क्या उपहार दिया?

(*i*) वीडियो गेम ☐ (*ii*) ड्राइंग बुक ☐ (*iii*) कलर बॉक्स ☐

(घ) शैली ने किन्हें राखी बाँधी?

(*i*) भाइयों को ☐ (*ii*) बहनों को ☐ (*iii*) मित्रों को ☐

भाषा ज्ञान

1. समान अर्थ वाले शब्दों पर (✓) लगाइए–

भैया	–	लड़का ☐	भाई ☐	पड़ोसी ☐
पर्व	–	खुशी ☐	उल्लास ☐	त्योहार ☐
उपहार	–	भेंट ☐	खजाना ☐	इनाम ☐
बहन	–	सहेली ☐	भगिनी ☐	बेटी ☐

2. सही मिलान कीजिए–

सुंदर	भाई
मीठी	शैली
बड़ा	त्योहार
नन्ही	राखियाँ
अनोखा	बरफी

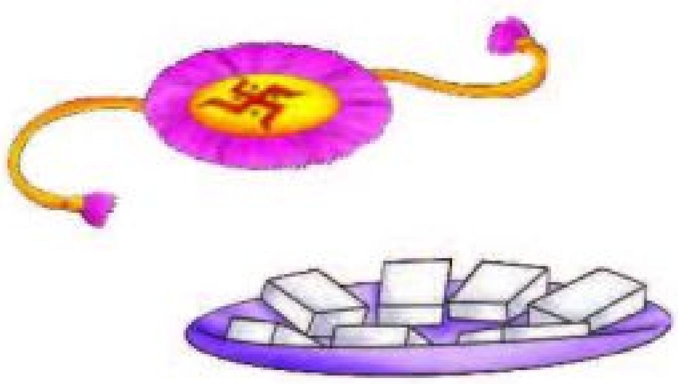

3. एक से अनेक बनाइए–

राखी – राखियाँ थाली – ....

मिठाई – .... खुशी – ....

लड़की – .... कलाई – ....

निबंध से आगे

- रक्षाबंधन के अवसर पर यदि शैली के भाई दूसरे शहर में होते तो वह क्या करती?
- आप राखी का त्योहार कैसे मनाते हैं?

नन्हे हाथों से

- **बिंदुओं को मिलाकर चित्र पूरा कीजिए और उसमें सुंदर रंग भरिए–**

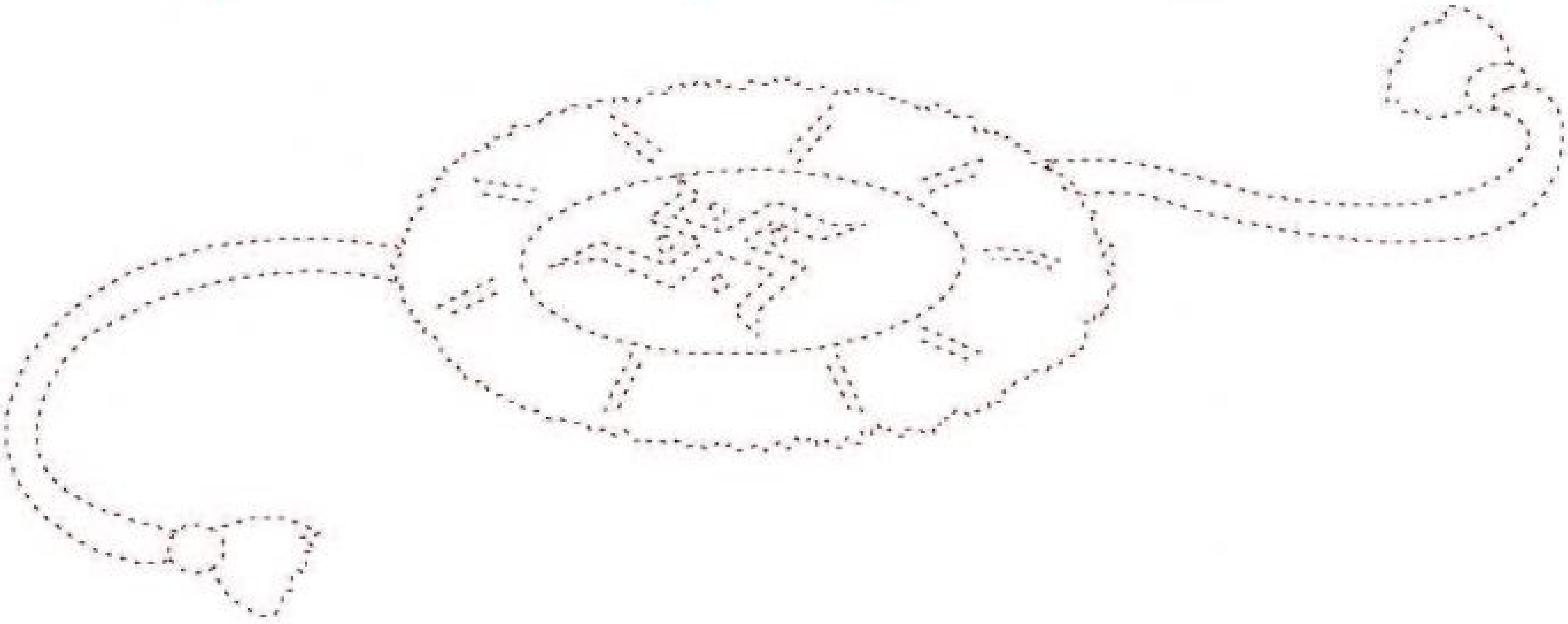

- **दिए गए चित्रों में अंतर ढूँढ़िए और उन पर ○ लगाइए–**

• **शैली ने बरफी से अपने भाइयों का मुँह मीठा करवाया। आपको इनमें से कौन-कौन सी मिठाइयाँ पसंद हैं। उनके नाम लिखिए–**

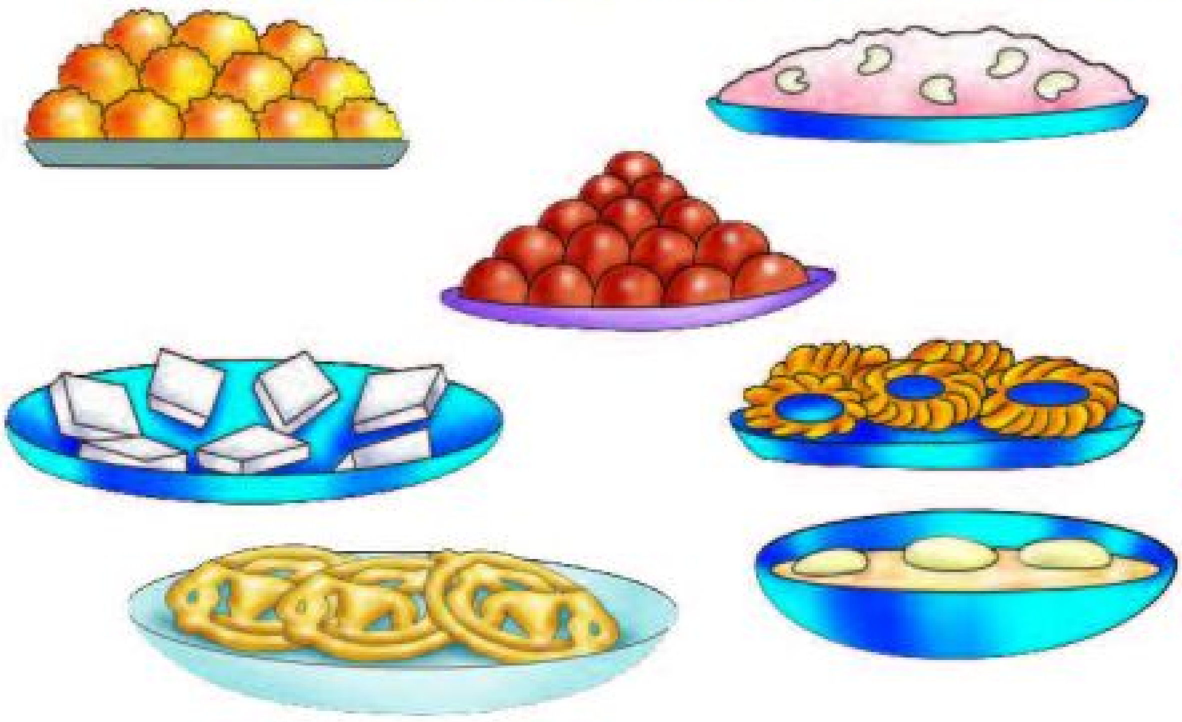

....

....

....

....

....

कुछ करने को

• कुछ सुंदर कागज़, मोती, सितारे, रेशमी धागे आदि लेकर सुंदर राखी बनाने की कोशिश कीजिए। इसमें आप अपने बड़ों की भी सहायता ले सकते हैं।

आप क्या करेंगे

• **यदि किसी कारणवश आपकी बहन आपको राखी बाँधने न आ पाए और राखी भिजवा दे तो–**

(क) उससे नाराज़ हो जाएँगे। ☐

(ख) राखी को एक ओर रख देंगे। ☐

(ग) किसी अन्य से राखी बँधवाकर बहन को धन्यवाद देंगे। ☐

• **यदि आपकी कोई बहन या भाई न हो तो रक्षाबंधन के अवसर पर–**

(क) गुमसुम होकर घर में बैठे रहेंगे। ☐

(ख) इस बात का अफ़सोस करेंगे। ☐

(ग) किसी मुँहबोले भाई या बहन के साथ यह त्योहार मनाएँगे। ☐

14 आर्यन की समझदारी

मंगलवार को आर्यन का जन्मदिन था। वह बहुत खुश था। घंटी की आवाज़ सुनकर आर्यन दरवाज़े की ओर दौड़ा। पर यह क्या? बाहर दरवाज़े पर तीन लुटेरे खड़े थे। उन लोगों ने उसे धक्का दिया और अंदर घुसकर दरवाज़ा बंद कर दिया। उसके मुँह से आवाज़ तक न निकली।

आर्यन की मम्मी ने पूछा–"कौन हो तुम लोग, क्या चाहते हो ...?" "ऐ चुप! फटाफट अलमारी की चाबी निकालो, वरना ...।" एक लुटेरे ने धमकाते हुए कहा। दूसरा लुटेरा आर्यन को लेकर दूसरे कमरे में चला गया। कमरे में मेज़

पर कंप्यूटर रखा हुआ था। लुटेरा बोला, "ऐ छोकरे, चुपचाप बैठ जा। कोई चालाकी मत करना।" आर्यन कुछ नहीं बोला। उसकी समझ में नहीं आ रहा था कि वह क्या करे? लुटेरे उसके घर का सामान लूट रहे थे और वह कुछ नहीं कर पा रहा था।

शिक्षण संकेत
- बच्चों को कंप्यूटर के लाभ व इंटरनेट की सुविधाओं के बारे में बताएँ।
- बच्चों को विपरीत परिस्थितियों में बुद्धि से काम लेना सिखाएँ।

अचानक आर्यन की नज़र कंप्यूटर पर पड़ी। वह कंप्यूटर पर गेम से लेकर इंटरनेट तक सारी चीज़ों को चलाना जानता था। उसने कुछ सोचकर लुटेरे से कहा, "अंकल! मुझे बहुत डर लग रहा है। क्या मैं कंप्यूटर पर गेम खेल सकता हूँ?" लुटेरा बोला, "खेल ले मुन्ना, खेल ले।" उसने जल्दी से कंप्यूटर चलाया और ई-मेल की मदद से पुलिस के नाम संदेश भेज दिया। परंतु अफ़सोस! लुटेरे उसके पापा की मेहनत की कमाई पोटली में बाँधकर ले जा रहे थे। जाते-जाते उन्होंने आर्यन और उसकी मम्मी को रस्सी से बाँध दिया था।

कुछ ही पलों में दोबारा दरवाज़ा खुलने की आवाज़ आई। आर्यन को लगा कि शायद पापा आ गए। लेकिन यह क्या! इंस्पेक्टर साहब लुटेरों को पकड़कर ला रहे थे। उन्होंने बताया कि आर्यन की समझदारी तथा कंप्यूटर के कमाल से आज हम लुटेरों को पकड़ पाए। लुटेरों के साथ लूटा हुआ सारा सामान भी मिल गया था। आर्यन खुशी से झूम उठा और फिर उसने अपना जन्मदिन दोगुनी खुशी से मनाया।

शिक्षा मुसीबत के समय घबराना नहीं चाहिए।

शब्दार्थ

लुटेरे – डाकू फटाफट – जल्दी से चुपचाप – शांत अचानक – एकाएक
गेम – खेल मदद – सहायता संदेश – समाचार कमाल – चमत्कार
खुशी से झूमना – बहुत खुश होना

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

लुटेरा कंप्यूटर इंटरनेट इंस्पेक्टर समझदारी

2. सोचकर बताइए–

(क) आर्यन के जन्मदिन पर क्या हुआ?

(ख) घर में घुसकर लुटेरों ने क्या किया?

(ग) लुटेरों को किसने पकड़वाया?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) आर्यन क्यों खुश था?

....

(ख) आर्यन के घर में कौन घुस आए थे?

....

(ग) आर्यन कंप्यूटर पर क्या-क्या करना जानता था?

....

(घ) लुटेरे कैसे पकड़े गए?

....

....

2. वाक्यों के सामने (✓) अथवा (✗) का चिह्न लगाइए–

(क) घर में चार लुटेरे घुस आए थे। ☐

(ख) कमरे में मेज़ पर कंप्यूटर रखा हुआ था। ☐

(ग) लुटेरे ने आर्यन को कंप्यूटर नहीं चलाने दिया। ☐

(घ) लुटेरे आर्यन के पापा की मेहनत की कमाई पोटली में बाँधकर ले गए थे। ☐

(ङ) इंस्पेक्टर साहब लुटेरों को पकड़कर ले आए थे। ☐

3. सही उत्तर पर (✓) लगाइए–

(क) लुटेरे ने आर्यन की मम्मी से क्या माँगा?

(*i*) पानी ☐ (*ii*) चाबी ☐ (*iii*) ताला ☐

(ख) आर्यन ने पुलिस को संदेश कैसे भेजा?

(*i*) एस.एम.एस. से ☐ (*ii*) ई–मेल से ☐

(*iii*) फोन से ☐

(ग) आर्यन कैसा लड़का था?

(*i*) नटखट ☐ (*ii*) डरपोक ☐ (*iii*) साहसी ☐

भाषा ज्ञान

1. उदाहरण देखकर संयुक्ताक्षरों वाले शब्द बनाइए–

स् + त = स्त – ......बस्ता...... ......सस्ता......

प् + य = प्य – ....

स् + थ = स्थ – ....

च् + छ = च्छ – ....

न् + य = न्य – ....

जब दो भिन्न व्यंजनों में पहला व्यंजन स्वर रहित व दूसरा स्वर सहित होता है और दोनों का उच्चारण एक साथ किया जाता है तो वे **संयुक्ताक्षर** कहलाते हैं। इस क्रम में पहला व्यंजन आधा होकर दूसरे व्यंजन से जुड़ जाता है। जैसे– मच्छर, मनुष्य आदि।

2. ड़ तथा ढ़ से मिलकर बने शब्दों को पढ़कर लिखिए–

पढ़ना .... बुढ़िया ....

लड़ना .... चढ़ना ....

गाड़ी .... रगड़ना ....

3. चित्रों को देखकर इनकी आवाज़ें लिखिए–

....

....

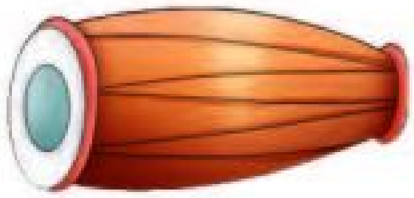

....

....

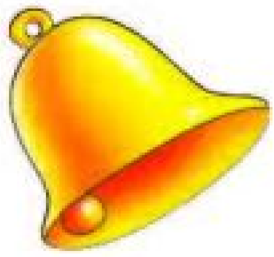

....

ढम–ढम

टिक–टिक

टिप–टिप

सर–सर

टन–टन

कहानी से आगे

- यदि आर्यन पुलिस को संदेश न भेजता तो क्या होता?
- यदि आप आर्यन की जगह होते तो क्या करते?

नन्हे हाथों से

- कंप्यूटर के चित्र को देखकर उसके अंगों के नाम लिखिए–

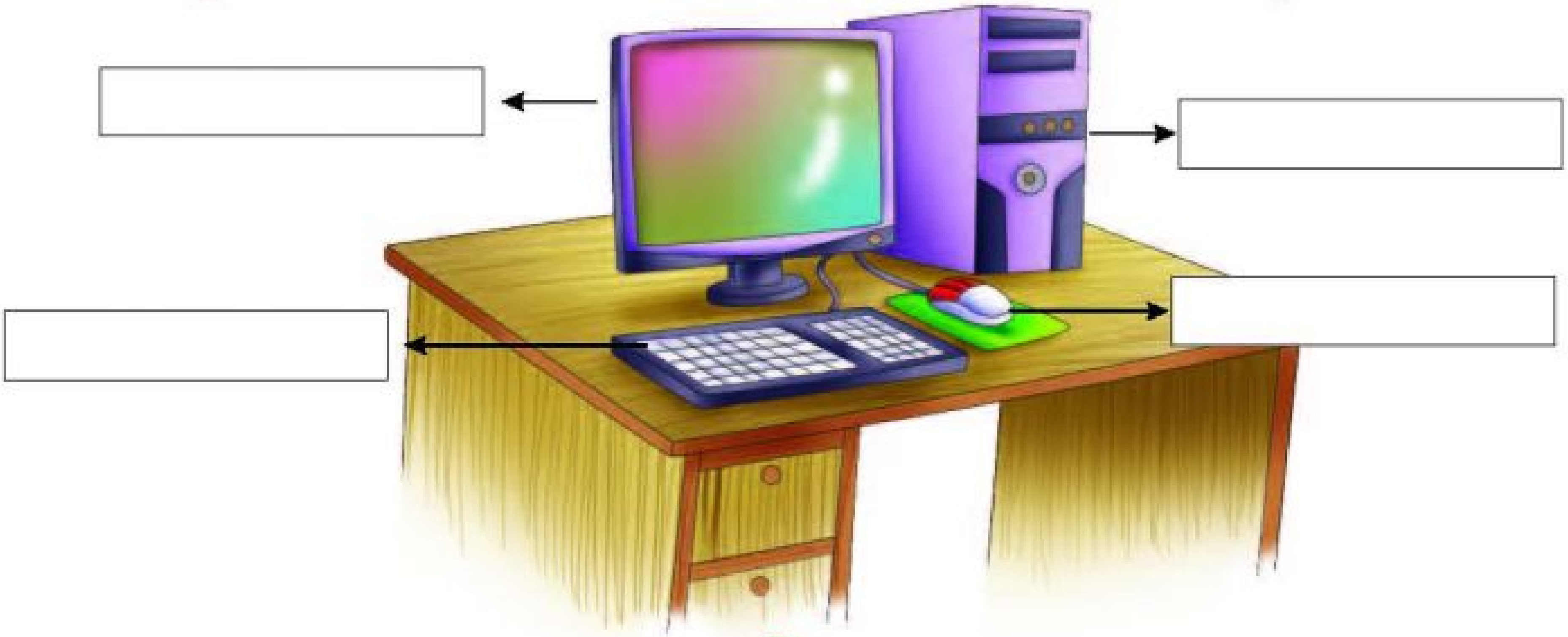

15 शेर भाग गया

किसी जंगल में एक निर्दयी शेर रहता था। उसके मन में ज़रा भी दया नहीं थी। वह जिसे चाहे मारकर खा जाता था। उससे दुखी होकर एक दिन जानवरों ने सभा की। सभा में सभी इस बात पर विचार कर रहे थे कि शेर के अत्याचारों से कैसे छुटकारा पाया जाए? तभी एक छोटी-सी मधुमक्खी भिन-भिन करने लगी। सभी का ध्यान मधुमक्खी पर गया। मधुमक्खी उड़ते हुए बोली,"आप लोग निश्चिंत हो जाइए। शेर को मैं सबक सिखाऊँगी।"

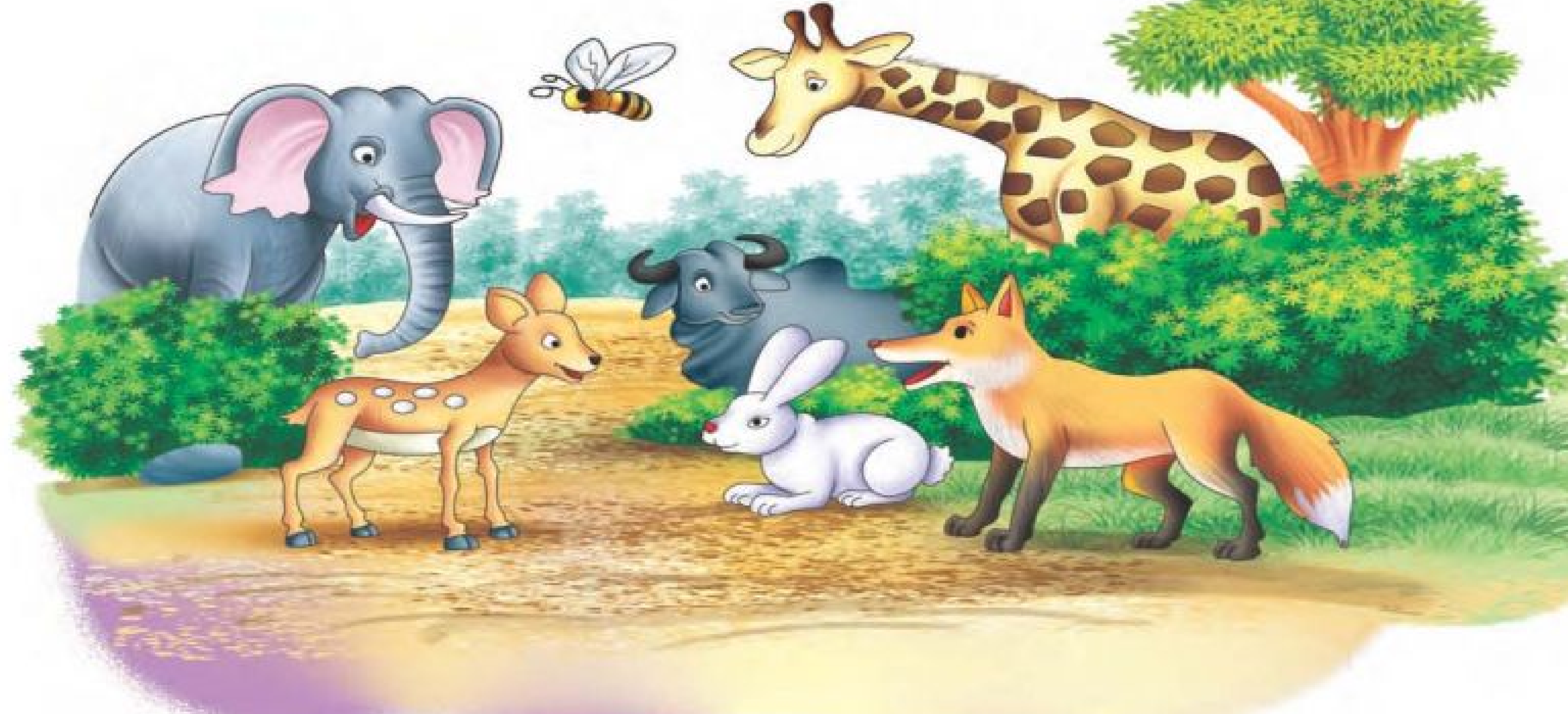

यह सुनकर सब हँसने लगे। "एक छोटी-सी मधुमक्खी शेर को सबक सिखाएगी।" हिरण ने हँसते हुए कहा। मधुमक्खी ने भिन-भिन करते हुए ज़ोर

शिक्षण संकेत

- बच्चों को समझाएँ कि कभी किसी को छोटा व कम नहीं समझना चाहिए।
- एक छोटी-सी मधुमक्खी के कारण जानवरों की समस्या हल हो गई। बच्चों को बताएँ कि इसी प्रकार छोटे बच्चे भी बड़ा काम कर सकते हैं।

देकर कहा, "आप मुझे एक अवसर तो देकर देखिए। एक सप्ताह में शेर जंगल छोड़कर न भाग जाए तो कहना।" हाथी को मधुमक्खी की बात में दम लगा। वह बोला,"ठीक है, मित्रो! इसे एक अवसर देकर देखते हैं कि एक छोटी मधुमक्खी क्या धमाल कर सकती है?"

अगले दिन शेर पेड़ के नीचे आराम कर रहा था। तभी मधुमक्खी आकर उसके कान में भिन-भिन करने लगी। शेर ने इधर-उधर करवट बदली पर मधुमक्खी ने भिनभिनाना नहीं छोड़ा। शेर को गुस्सा आ गया। उसने पंजा दे मारा। मधुमक्खी तो उड़ गई लेकिन पंजा शेर के अपने कान पर जा लगा। वह दर्द से तड़प उठा। मधुमक्खी कभी उसकी गरदन पर बैठती, कभी पीठ पर। कभी कान में भिन-भिन करती तो कभी पूँछ पर काट लेती। इस प्रकार शेर ने पंजे मार-मारकर अपना शरीर लहूलुहान कर लिया।

शेर जहाँ-जहाँ जाता, मधुमक्खी भी वहाँ-वहाँ जाती। मधुमक्खी ने शेर का खाना-पीना-सोना सब हराम कर दिया। तंग आकर शेर दूसरे ही दिन जंगल छोड़कर भाग गया।

अगले दिन यह समाचार आग की तरह फैल गया कि शेर जंगल छोड़कर भाग गया है। सभी जानवरों ने मधुमक्खी को सम्मान व धन्यवाद देने के लिए

दावत दी। मधुमक्खी के आने पर सभी ने नाच-गाकर उसे धन्यवाद दिया। सभी जानवर खुशी से फूले नहीं समा रहे थे। सब मिलकर गीत गा रहे थे-

छोटी मक्खी ने कमाल कर दिया।
शेर को भगाकर धमाल कर दिया।

शब्दार्थ

निर्दयी	जिसके मन में दया न हो	अत्याचार	जुल्म	निश्चिंत	बेफ़िक्र
सबक	शिक्षा, पाठ	अवसर	मौका	लहूलुहान	खून से लथपथ

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए-

मक्खी सप्ताह गुस्सा लहूलुहान भिनभिनाना

2. सोचकर बताइए-

(क) जानवर शेर से क्यों दुखी थे?

(ख) मधुमक्खी की बात सुनकर सब क्यों हँसने लगे?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) जानवर किसके अत्याचारों से छुटकारा पाना चाहते थे?

....

(ख) शेर को गुस्सा क्यों आया?

....

(ग) शेर जंगल छोड़कर क्यों भाग गया?

....

(घ) शेर के जाने के बाद जानवरों ने क्या किया?

....

2. वाक्यों के सामने (✓) अथवा (✗) का चिह्न लगाइए–

(क) शेर बहुत दयालु था। ☐

(ख) जानवरों ने मिलकर शेर को भगा दिया था। ☐

(ग) मधुमक्खी से परेशान होकर शेर भाग गया था। ☐

(घ) शेर ने मधुमक्खी को मार दिया था। ☐

3. किसने कहा–

(क) इसे एक अवसर देकर देखते हैं।

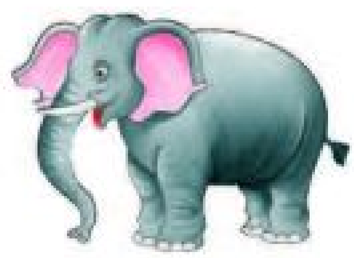

(ख) शेर को मैं सबक सिखाऊँगी।

(ग) एक छोटी–सी मधुमक्खी शेर को सबक सिखाएगी।

4. सही उत्तर पर (✓) लगाइए–

(क) जानवर किससे परेशान थे?

(*i*) मधुमक्खी से ☐ (*ii*) शेर से ☐ (*iii*) हाथी से ☐

(ख) किसको मधुमक्खी की बात में दम लगा?

(*i*) हिरण को ☐ (*ii*) बंदर को ☐ (*iii*) हाथी को ☐

(ग) शेर को किसने भगाया?

(*i*) मधुमक्खी ने ☐ (*ii*) हाथी ने ☐ (*iii*) मच्छर ने ☐

भाषा ज्ञान

1. सर्वनाम शब्दों पर ◯ लगाइए–

(क) यह सुनकर सब हँसने लगे।

(ख) मुझे एक अवसर तो देकर देखिए।

(ग) आप लोग निश्चिंत हो जाइए।

(घ) मधुमक्खी उसके कान में भिन-भिन करने लगी।

2. इनका दूसरा नाम लिखिए–

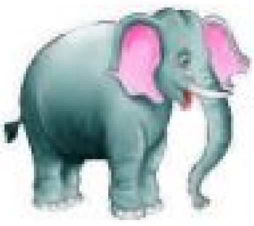
हाथी = ...गज......

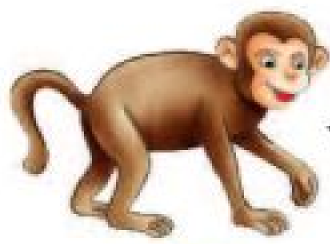
बंदर = ...

शेर = ...

वृक्ष = ...

मृग = ...

फूल = ...

3. नीचे दिए शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए–

(क) जो मेहनत से काम करे – ....

(ख) जो पढ़ना-लिखना न जानता हो – ....

(ग) जूते-चप्पल बनाने वाला – ....

(घ) लोहे का काम करने वाला – ....

कहानी से आगे

- यदि मधुमक्खी शेर को नहीं भगाती तो क्या होता?
- क्या शेर को किसी अन्य तरीके से जंगल से बाहर निकाला जा सकता था?

नन्हे हाथों से

- **मधुमक्खी ने जानवरों की सहायक के रूप में काम किया। अब हमारे इन सहायकों को पहचानिए और इनके नाम लिखिए–**

....

....

....

....

....

....

कुछ करने को

- इस कहानी में मधुमक्खी ने शेर को सबक सिखाया। अब आप एक चींटी द्वारा हाथी को सबक सिखाने वाली कहानी के बारे में जानकारी प्राप्त कीजिए और उसे कक्षा में सुनाइए।

आप क्या करेंगे

- **यदि कक्षा में कोई छात्र आपको परेशान करे तो–**

  (क) उसससे झगड़ा करेंगे। ☐

  (ख) उसकी शिकायत अध्यापक से करेंगे। ☐

  (ग) उससे डरकर रहेंगे। ☐

- **यदि अध्यापिका कुछ समय के लिए कक्षा से बाहर चली जाए तो–**

  (क) अवसर का लाभ उठाकर शोर मचाएँगे। ☐

  (ख) चुपचाप बैठकर अपना पाठ पढ़ेंगे। ☐

  (ग) शोर मचाने वाले बच्चों से झगड़ा करेंगे। ☐

16 ताजमहल

बच्चो! ताजमहल के बारे में आपने सुना होगा। यह भारत का प्रसिद्ध स्थल तो है ही, इसे संसार के अजूबों में भी शामिल किया गया है। आइए, ताजमहल के बारे में जानें –

ताजमहल आगरा में यमुना नदी के दाएँ तट पर बना हुआ है। इसे मुगल सम्राट शाहजहाँ ने अपनी बेगम मुमताज महल की याद में बनवाया था। ऐसा माना जाता है कि बीस वर्षों तक बीस हज़ार कारीगर और मज़दूरों ने मिलकर इसे बनाया था। उस समय इसे बनाने में लगभग तीन करोड़ रुपये खर्च हुए थे। इसे बने हुए लगभग साढ़े तीन सौ वर्ष हो चुके हैं परंतु देखने में यह ऐसा लगता है मानो आज ही बना हो।

ताजमहल संगमरमर के सफ़ेद पत्थरों से बना हुआ है। ताजमहल का प्रवेश-द्वार लाल पत्थरों से बना है। ताजमहल के सामने एक नहर है, जिसमें फव्वारे चलते रहते हैं। इस नहर के दोनों ओर हरी-हरी घास के बगीचे हैं

शिक्षण संकेत

- ऐतिहासिक स्थलों से संबंधित प्रश्नों को पूछें।
- बच्चों को विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों के बारे में जानकारी दें।
- विश्व के अजूबों के बारे में भी बताएँ।

जिनमें रंग-बिरंगे सुगंधित फूलों की क्यारियाँ और पेड़ हैं, जो ताजमहल की शोभा बढ़ाते हैं।

ताजमहल एक ऊँचे चबूतरे पर बना हुआ है। इस चबूतरे के चारों कोनों पर ऊँची-ऊँची मीनारें बनी हुई हैं। भवन की ऊपरी छत गोल गुंबद के रूप में बनी हुई है। भवन के दरवाज़ों और दीवारों पर सुंदर नक्काशी और रंग-बिरंगे पत्थरों से फूल-पत्तियों का काम देखते ही बनता है। भवन के हॉल में दो कब्रें हैं। इन पर सुंदर नक्काशी की गई है। ये दोनों कब्रें शाहजहाँ और उनकी पत्नी मुमताज महल की कब्रों के नमूने हैं। असली कब्रें इस भवन के नीचे हैं।

ताजमहल अमर प्रेम की यादगार है। इसकी गिनती संसार के सात आश्चर्यों में की जाती है। देश-विदेश से लोग ताजमहल को देखने के लिए आते हैं। इसलिए ताजमहल भारत का ऐतिहासिक-स्मारक बन गया है। ताजमहल की शोभा पूर्णिमा की रात को देखते ही बनती है। पूर्णिमा की रात को ताजमहल चाँदी के समान चमक उठता है। यमुना के जल में ताजमहल की परछाईं बड़ी मनमोहक लगती है। इसलिए अधिकतर लोग ताज की सुंदरता का आनंद पूर्णिमा की रात में ही लेना पसंद करते हैं और देखते ही कह उठते हैं– वाह ताज!

शब्दार्थ

कारीगर – शिल्पी शोभा – रौनक, सुंदरता

नक्काशी – पत्थर, लकड़ी आदि पर खोद कर बनाए गए बेल-बूटे

नमूना – खाका यादगार – स्मारक ऐतिहासिक – इतिहास-संबंधी

पूर्णिमा – चंद्रमास के शुक्ल पक्ष की अंतिम तिथि (पूर्णमासी)

मनमोहक – मन को मोहने वाला

इन्हें ऐसे भी लिख सकते हैं–

द्वार - द्‍वार प्रसिद्ध - प्रसिद्‍ध पसंद - पसन्द

सुंदर - सुन्दर गुंबद - गुम्बद

संकलनात्मक एवं रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

शाहजहाँ सम्राट फव्वारे आश्चर्य पूर्णिमा

2. सोचकर बताइए–

(क) ताजमहल कहाँ स्थित है?

(ख) ताजमहल को बनाने में कितना समय लगा था?

(ग) कौन-सी चीज़ें ताजमहल की शोभा बढ़ाती हैं?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) ताजमहल को किसने बनवाया था?

....

(ख) ताजमहल कैसे पत्थरों से बना है?

....

(ग) शाहजहाँ और मुमताज की असली कब्रें कहाँ हैं?

....

(घ) ताजमहल की गिनती किनमें होती है?

....

2. वाक्यों के सामने (✓) अथवा (✗) का चिह्न लगाइए–

(क) ताजमहल को बनाने में दस वर्ष लगे। ☐

(ख) रंग-बिरंगे फूल, क्यारियाँ और पेड़ ताजमहल की शोभा बढ़ाते हैं। ☐

(ग) ताजमहल एक ऊँचे चबूतरे पर बना हुआ है। ☐

(घ) ताजमहल को बनाने में 200 करोड़ रुपये खर्च हुए। ☐

3. **नीचे दिए शब्दों की सहायता से वाक्य पूरे कीजिए–**

गुंबद, तीन करोड़, यादगार, सफ़ेद

(क) ताजमहल संगमरमर के .... पत्थरों से बना हुआ है।

(ख) ताजमहल को बनाने में .... रुपये खर्च हुए थे।

(ग) भवन की ऊपरी छत गोल .... के रूप में बनी हुई है।

(घ) ताजमहल अमर प्रेम की .... है।

4. **सही उत्तर पर (✓) लगाइए–**

(क) ताजमहल का प्रवेश-द्वार कैसे पत्थरों से बना हुआ है?

(*i*) लाल ☐ (*ii*) काले ☐ (*iii*) सफ़ेद ☐

(ख) ताजमहल किस नदी के किनारे बना हुआ है?

(*i*) गंगा ☐ (*ii*) सरस्वती ☐ (*iii*) यमुना ☐

(ग) ताजमहल किसकी याद में बनवाया गया था?

(*i*) सुलताना ☐ (*ii*) मुमताज ☐ (*iii*) जोधाबाई ☐

भाषा ज्ञान

1. **देखिए, पढ़िए और लिखिए–**

(क) रु — रुई .... रुपया .... गुरु ....

रू — रूप .... रूमाल .... अमरूद ....

(ख) ड़ करोड़ .... पेड़ .... बड़ी ....

ढ़ बढ़ाते .... चढ़ने .... सीढ़ी ....

2. 'र' का सही रूप लिखकर शब्द पूरे कीजिए–

्र	प्रगति	पेम	पयोग	पिय
र्‍	कर्म	धम	सूय	पवत

3. नीचे दिए शब्दों के शुद्ध रूप पर ○ लगाइए–

यमुना	यमूना	मजदुर	मज़दूर
संगमरमर	संगर्ममर	सीड़ियाँ	सीढ़ियाँ

नन्हे हाथों से

• चित्र में रंग भरकर शब्दों की सहायता से कुछ पंक्तियाँ लिखिए–

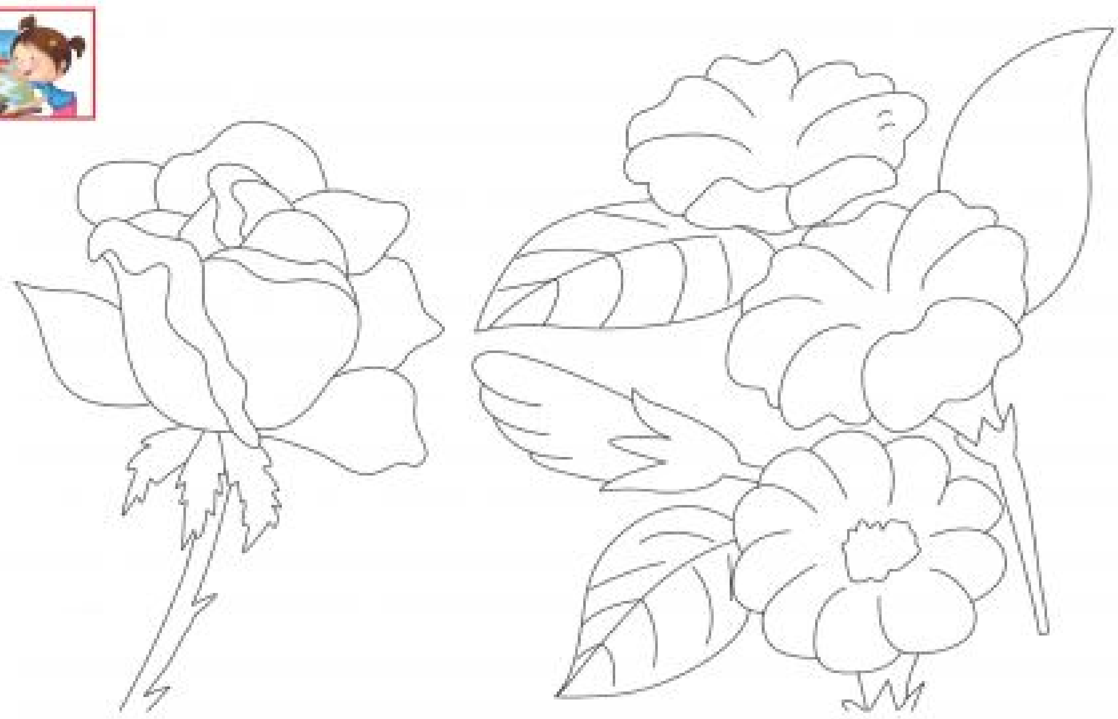

सुंदर	लाल	पीला	खुशबूदार	गुलाबी	फूल

....

....

....

....

....

....

प्रश्न-पत्र – 1

पूर्णांक-30

1. गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 5

एक हाथी पेड़ की डाल को हिला रहा था। उस डाल पर चिड़िया का घोंसला था। घोंसले में अंडे थे। चिड़िया ने हाथी को मना किया। वह नहीं माना। अंडे गिरकर टूट गए। चिड़िया रोने लगी। चिड़िया की सहेली चींटी ने हाथी को सबक सिखाया।

(क) हाथी किसे हिला रहा था?

(*i*) पत्तों को ☐ (*ii*) तने को ☐ (*iii*) डाल को ☐

(ख) घोंसले में किसके अंडे थे?

(*i*) कौए के ☐ (*ii*) चिड़िया के ☐ (*iii*) मुरगी के ☐

(ग) 'सहेली' का समानार्थी शब्द लिखिए।

(घ) गद्यांश से 'अं' की मात्रा वाले कोई दो शब्द ढूँढ़कर लिखिए।

(ङ) गद्यांश से कोई दो क्रिया शब्द ढूँढ़कर लिखिए।

व्याकरण से 10

2. लिंग बदलकर लिखिए– 2

शेर .... बेटा ....

3. विलोम शब्द लिखिए– 2

ऊपर .... मीठा ....

4. समानार्थी शब्द लिखिए– 2

दूल्हा .... वृक्ष ....

5. को अथवा की लिखकर वाक्य पूरे कीजिए– 2

(क) मैं तुम्हें चाँद .... सैर कराऊँगी।

(ख) उसने रिमझिम .... मुलायम घास पर लिटा दिया।

6. **संयुक्ताक्षरों से शब्द बनाइए–** 2

ब्ज = ... स्त = ...

7. **अच्छी आदतों पर कोई पाँच वाक्य लिखिए।** 5

पाठ से 10

8. **वाक्य पूरे कीजिए–** 2

(क) गुनगुन ने बच्चों को भरपेट .... खिलाया।

(ख) राजन लोगों को .... करता था।

9. **किसने कहा–** 2

(क) बच्चों की चिंता मत करो। ....

(ख) आप आराम कीजिए। हम अभी आते हैं। ....

10. **सही विकल्प पर (✓) लगाइए–** 2

(क) धनुष किस भगवान का था?

(*i*) कृष्ण का ☐ (*ii*) हनुमान का ☐ (*iii*) शिव का ☐

(ख) शास्त्री जी किस जेल में थे?

(*i*) मैनी ☐ (*ii*) नैनी ☐ (*iii*) फैनी ☐

11. **प्रश्नों के उत्तर लिखिए–** 4

(क) रिमझिम किसे देखकर डर गई थी?

....

(ख) घर पहुँचने पर शास्त्री जी को क्या पता चला?

....

प्रश्न-पत्र – 2

पूर्णांक-30

1. गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 5

नीलू बहुत आलसी लड़की थी। वह अपनी चीज़ों की परवाह नहीं करती थी। स्कूल से आते ही नीलू सारी चीज़ें इधर-उधर फेंक देती थी। उसकी माँ उसकी चीज़ें सँभालकर रखती थी। एक दिन उसकी माँ बीमार पड़ गई। नीलू स्कूल जाने के लिए तैयार हो रही थी। उसे उसकी चीज़ें नहीं मिली। इसलिए वह स्कूल नहीं जा सकी।

(क) नीलू किसकी परवाह नहीं करती थी?

(*i*) माँ की ☐ (*ii*) अपनी ☐ (*iii*) चीज़ों की ☐

(ख) कौन बीमार पड़ गई थी?

(*i*) नीलू ☐ (*ii*) नीलू की माँ ☐ (*iii*) नीलू की सहेली ☐

(ग) गद्यांश से कोई दो सर्वनाम शब्द ढूँढ़कर लिखिए–

....

(घ) विलोम शब्द लिखिए–

दिन .... आना ....

(ङ) नीलू स्कूल क्यों नहीं जा सकी?

....

व्याकरण से 10

2. समानार्थी शब्द लिखिए– 2

सूरज .... चाँद ....

3. उचित विशेषण शब्द लिखिए– 2

.... राखियाँ .... त्योहार

4. वचन बदलकर लिखिए– 2

राखी .... मिठाई ....

5. सर्वनाम शब्दों पर ◯ लगाइए– 2

(क) मुझे आइसक्रीम बहुत अच्छी लगती है।

(ख) उसके हाथ से आइसक्रीम छूट गई।

6. वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए– 2

(क) जो लोहे का काम करता हो – ....

(ख) जो पढ़ना-लिखना न जानता हो – ....

7. पेड़ पर कोई पाँच वाक्य लिखिए। 5

पाठ से 10

8. वाक्यों के सामने (✓) अथवा (✗) का चिह्न लगाइए– 2

(क) लुटेरे ने आर्यन को कंप्यूटर नहीं चलाने दिया। ☐

(ख) इंस्पेक्टर साहब लुटेरे को पकड़कर ले आए थे। ☐

9. किसने कहा– 2

(क) इसे एक अवसर देकर देखते हैं। ....

(ख) शेर को मैं सबक सिखाऊँगी। ....

10. सही विकल्प पर (✓) लगाइए– 2

(क) शैली ने सबसे पहले किसे राखी बाँधी?

(*i*) मृदुल को ☐ (*ii*) रुपेश को ☐ (*iii*) विपुल को ☐

(ख) आर्यन कैसा लड़का था?

(*i*) साहसी ☐ (*ii*) डरपोक ☐ (*iii*) नटखट ☐

11. प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 4

(क) शेर जंगल छोड़कर क्यों भाग गया?

....

(ख) आर्यन के घर में कौन घुस आए थे?

....

हिंदी पाठ्यपुस्तक

साक्षी

हिंदी पाठमाला

साक्षी हिंदी पाठमाला हिंदी पाठ्यपुस्तक की यह शृंखला कक्षा 1 से 8 के लिए तैयार की गई है। इस पुस्तक शृंखला में बच्चों को हिंदी भाषा में दक्ष बनाने हेतु उनकी अभिरुचि एवं वर्ग का ध्यान रखते हुए रोचक पाठ्य-सामग्री का समावेश किया गया है।

प्रमुख तथ्य

- एनसीईआरटी, सीबीएसई एवं राज्यों के बोर्डों के नवीनतम पाठ्यक्रम पर आधारित।
- भाषिक योग्यता कौशल–बोलना, पढ़ना, सुनना, लिखना आदि का समावेश।
- हिंदी की सभी विधाओं–कविता, कहानी, लेख, निबंध, यात्रा वृत्तांत, हास्य कथा, पौराणिक कथा, आधुनिक व पर्यावरण संबंधी कहानी, एकांकी, जीवनी, संस्मरण आदि पर आधारित रोचक पाठ्य-सामग्री का समावेश।
- सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) पद्धति पर आधारित संकलनात्मक एवं रचनात्मक प्रश्न–मौखिक, लिखित एवं बहुविकल्पीय, पाठ के अतिरिक्त प्रयोगात्मक कार्य, काल्पनिक व नैतिक मूल्यों पर आधारित प्रश्न।
- चित्रों पर आधारित वाक्य रचना, अनुच्छेद, कविता, कहानी, मुहावरे, लोकोक्ति, लेख व निबंध लेखन।
- मानक व परंपरागत वर्तनी का ज्ञान।
- शब्दकोश का ज्ञान।

शृंखला में पुस्तकें

ISBN 978-93-80644-96-7

LAXMI PUBLICATIONS (P) LTD
(An ISO 9001:2008 Company)

AMANDA
IMPRINT
(An Imprint of Laxmi Publications Pvt. Ltd.)

ASH2-4780-150-SAKSHI HINDI PATHMALA 2